लखनऊ

शनिवार 28 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 341

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

मैंने प्रेम को ही अपनाने का निर्णय किया है। द्वेष करना तो बेहद बोझिल काम है। - मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

विमान में बम की अफवाह से दिल्ली एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप, क्रू मेंबर को मिला धमकी भरा पत्र

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर बम की धमकी से अफरातफरी मच गई। हालांकि, जांच के बाद अधिकारियों ने बताया कि यह झूठी खबर थी। बताया गया कि स्टाफ के एक कर्मचारी को सुबह करीब 4:42 बजे दिल्ली के टर्मिनल-3 पर एक विमान में बम की धमकी वाला एक कागज मिला। इसके बाद आनन-फानन में तलाशी ली गई, जिसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा ने इसे झूठी खबर बताया। अग्निशमन सेवा के अनुसार, गुरुवार सुबह 4:42 बजे एक कॉल प्राप्त हुई थी, और उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। अभी इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

सीएम के काफिले की 19 गाड़ियों में डीजल की जगह भर दिया पानी, प्रशासन में हड़कंप; पेट्रोल पंप सील

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में 'एमपी राइज 2025' रीजनल कॉन्क्लेव में शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले की गाड़ियों में डीजल की जगह पानी भरे जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घटना गुरुवार देर रात ढोसी गांव स्थित भारत पेट्रोलियम के 'शक्ति फ्यूल्स' पेट्रोल पंप पर घटी। इंदौर से सीएम काफिले के लिए बुलाई गईं करीब 19 इनोवा गाड़ियां जब डीजल भरवाने के लिए इस पेट्रोल पंप पर पहुंचीं, तो वहां से ईंधन भरने के कुछ ही देर बाद वे एक-एक कर बंद हो गईं। वाहन चालकों ने तत्काल पेट्रोल पंप पर शिकायत की और प्रशासन को सूचित किया। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय, खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आनंद गोरे और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान सभी वाहनों के डीजल टैंक खाली करवाए गए, जिनमें से बड़े पैमाने पर पानी निकला। एक वाहन में जहां 20 लीटर डीजल डलवाया गया था, उसमें से करीब 10 लीटर पानी निकला। अन्य वाहनों में भी यही स्थिति देखने को मिली। इस घटना के बाद प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से पेट्रोल पंप को सील कर दिया है। मौके पर भारत पेट्रोलियम के क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीधर भी पहुंचे। प्रारंभिक पूछताछ में पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बारिश के कारण टैंक में पानी के रिसाव की बात कही, हालांकि प्रशासन इसे गंभीर चूक मानते हुए जांच में जुट गया है। गाड़ियों के साथ-साथ एक ट्रक चालक ने भी शिकायत दर्ज कराई कि उसने 200 लीटर डीजल भरवाया था, लेकिन वाहन थोड़ी ही दूरी पर जाकर बंद हो गया। इससे अंदेशा है कि यह लापरवाही केवल सीएम काफिले की गाड़ियों तक सीमित नहीं थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल इंदौर से वैकल्पिक गाड़ियों का इंतजाम किया, जिससे सीएम की सुरक्षा और कार्यक्रम में शामिल होने की योजना प्रभावित न हो। घटना ने पेट्रोल पंपों की ईंधन गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री के काफिले से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई जा रही है। प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है, और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है।

आतंकवाद पर कोई दोहरा रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक में अंतिम साझा घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इसके पीछे मुख्य वजह यह रही कि उस दस्तावेज में आतंकवाद, पहलगाम हमले या बलूचिस्तान का कोई जिक्र नहीं था। सूत्रों के मुताबिक, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चीन में हुई इस बैठक के दौरान बलूचिस्तान संकट का जिक्र हुआ था लेकिन पहलगाम हमले की अनदेखी की गई, जिससे भारत नाराज हुआ।

लेकिन अब सूत्रों ने साफ किया है कि ये दावे पूरी तरह गलत हैं — न तो 'बी' (बलूचिस्तान), न 'पी' (पहलगाम) और न ही 'टी' (आतंकवाद) शब्द का जिक्र साझा दस्तावेज में कहीं भी था। इसी वजह से भारत ने इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के किंगदाओ में हुई इस बैठक में स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंकवाद पर कोई दोहरा रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए और जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं, उनकी आलोचना में सदस्य देशों को पीछे नहीं हटना चाहिए। वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए बताया, 'एससीओ का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है। जब हमारे रक्षा मंत्री बैठक में गए और साझा बयान पर चर्चा हुई, तो एक देश ने आतंकवाद का जिक्र हटाने की बात कही। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वो देश कौन था।' यंप्रणाली सर्वसम्मति पर चलती है। अगर एक देश नहीं मानता, तो सभी को रुकना पड़ता है।' विदेश मंत्रालय ने भी इस पर आधिकारिक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया कि आतंकवाद के मुद्दे पर आम सहमति न बनने के कारण साझा बयान नहीं जारी किया जा सका। इस बयान में कहा गया, 'भारत चाहता था कि साझा दस्तावेज में आतंकवाद के मुद्दे को शामिल किया जाए, लेकिन एक सदस्य देश ने इसका विरोध किया। भारत ने सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने और उसके जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की अपील की।

महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं, जगन्नाथ हैं, तो जीवन है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू होने पर बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। पीएम मोदी ने कहा, भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ!

प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के अलावा अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वो भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में बता रहे हैं। वीडियो संदेश में कहा गया, महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री आगे वीडियो में रथयात्रा की खूबियों के बारे में भी बताते हैं। कहते हैं कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के अलग-अलग राज्यों में बहुत-बहुत धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने आप में अद्भुत है। प्रधानमंत्री वीडियो में कहते हैं कि इन रथ यात्राओं में जिस तरह से हर वर्ग, हर समाज के लोग उमड़ते हैं, वो अपने आप में बहुत अनुकरणीय है। यह आस्था के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतिबिंब है। इस पावन अवसर पर आप सभी को बहुत-बहुत बधाई।

साथ ही, प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य पोस्ट में आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर दुनियाभर के कच्छी समुदाय के लोगों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर, विशेष रूप से दुनिया भर के कच्छी समुदाय को शुभकामनाएं। आने वाला वर्ष सभी के लिए शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।

बता दें कि देशभर में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। वहीं, ओडिशा के पुरी की यात्रा सबसे बड़ी होती है। ओडिशा के पुरी से शुरू हुई यह जगन्नाथ यात्रा गुंडिचा मंदिर तक जाएगी। यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी। इसका समापन 15 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ होगा, जब भगवान अपने मूल मंदिर लौटेंगे। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। इस यात्रा की तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। इस यात्रा के दौरान कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं।

दुष्कर्म मामले में आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से मिली राहत, सात जुलाई तक बढ़ाई गई अस्थायी जमानत

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 में दर्ज हुए दुष्कर्म मामले में आसाराम को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने उसकी अस्थायी जमानत सात जुलाई तक बढ़ा दी है। इस मामले में आसाराम आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। वो चिकित्सा आधार पर जमानत पर है।

न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति संदीप भट्ट की खंडपीठ ने आसाराम को यह विस्तार इसलिए किया ताकि उनके वकील याचिका को लेकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें। हाईकोर्ट ने कहा कि मामले की 2 जुलाई को सुनवाई होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 28 मार्च को दी गई अस्थायी जमानत तीन महीने के लिए बढ़ा दी थी। वह 30 जून को समाप्त हो रही है। अपनी दलील में आसाराम के वकील ने दस्तावेज जमा करने के लिए कुछ दिनों की मोहलत मांगी। उन्होंने दावा किया कि 28 मार्च को अदालत द्वारा अस्थायी जमानत दिए जाने के बाद जोधपुर उच्च न्यायालय से आदेश प्राप्त करने की प्रक्रिया के कारण 10 दिन बर्बाद हो गए और उन्हें 7 अप्रैल को रिहा किया गया।

वकील ने कहा कि मैं सिर्फ दो दिन का समय मांगता हूं ताकि यदि मामला सोमवार को रखा जाता है तो मैं दस्तावेज को रिकॉर्ड में रख सकूं। प्रतिवादी भी इसका सत्यापन कर सकें। फिर सोमवार को आसाराम को किसी भी हालत में आत्मसमर्पण करना होगा। इसलिए न्यायाधीश मुझे मामला लंबित रहने तक एक या दो दिन का समय दे सकते हैं।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान मामले के विशिष्ट तथ्यों, विशेषकर नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) से प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए हम अस्थायी जमानत को सात जुलाई तक बढ़ाने के लिए इच्छुक हैं।

कुछ महीने पहले सर्वोच्च न्यायालय ने आसाराम को अंतरिम जमानत दी थी। जो 31 मार्च को समाप्त हो रही थी। इसके बाद गुजरात हाईकोर्ट ने 28 मार्च को आसाराम को तीन महीने के लिए अस्थायी जमानत प्रदान की थी। इसके बाद उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विभाजित फैसला सुनाया। मामले को तीसरे न्यायाधीश के पास मामला भेजा गया तो आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत देने के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

अहमदाबाद में पहली बार भगवान जगन्नाथ को मिला गार्ड ऑफ ऑनर, मंगला आरती में शामिल हुए अमित शाह

अहमदाबाद। अहमदाबाद में भगवान श्री जगन्नाथ की 148वीं रथयात्रा पारंपरिक उल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ शुरू हो चुकी है। इस खास मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने श्री जगन्नाथ मंदिर में आयोजित मंगला आरती में परिवार समेत हिस्सा लिया और महाप्रभु के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रथयात्रा की विधिवत शुरुआत की और पारंपरिक पाहिंद विधि का पालन करते हुए भगवान के रथ के सामने सोने की झाड़ू लगाकर यात्रा का शुभारंभ किया। ये विधि सेवा और समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगला आरती के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, रथयात्रा के पावन अवसर पर श्री जगन्नाथ मंदिर, अहमदाबाद की मंगला आरती में शामिल होना अपने आप में दिव्य और अलौकिक अनुभव होता है। महाप्रभु की मंगला आरती में शामिल होकर दर्शन-पूजन किया। महाप्रभु सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें।

इसके पहले अमित शाह ने देशवासियों को श्री जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर शुभकामनाएं दीं। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, जय जगन्नाथ! सभी को श्री जगन्नाथ रथयात्रा के पावन उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं। श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा आस्था और विश्वास का अनूठा संगम है, जो बताती है कि भक्ति, संस्कृति और विरासत को एक साथ सहेजते हुए आगे बढ़ते रहना हमारे मूल में है। महाप्रभु जगन्नाथ, वीर बलभद्र और माता सुभद्रा से सभी के कल्याण व उन्नति की कामना करता हूं। भगवान जगन्नाथ को अहमदाबाद में ओडिशा के पुरी की तरह 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। गार्ड ऑफ ऑनर देने की परंपरा अहमदाबाद में पहली बार हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भगवान जगन्नाथ की पूजा की पहिंद विधि की और मंदिर से भगवान के रथ को प्रस्थान कराया।

फिलहाल नगर नाथ जगन्नाथ शहर के भ्रमण पर निकल चुके हैं। पूरी साल भक्त भगवान के दर पर आते हैं, लेकिन आज का दिन ऐसा होता है जब भगवान भक्त के घर पर जाते हैं। करीब 16 किलोमीटर की ये यात्रा शाम 6 बजे तक संपन्न होगी। मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ है।

कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप : बंगाल में बेटियों की सुरक्षा पर भाजपा हमलावर, सुवेंदु बोले- कुर्सी छोड़ें ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सियासत गर्मा गई है। कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में छात्रा से कथित गैंगरेप की घटना ने पूरे राज्य को हिला दिया है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर ममता बनर्जी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य में छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं।

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना साबित करती है कि राज्य में छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद पुलिस विभाग देखती हैं।

मजूमदार ने याद दिलाया कि इससे पहले आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना हुई थी, जिसने पूरे देश में गुस्से की लहर पैदा कर दी थी। अब लॉ कॉलेज में हुई घटना ने साफ कर दिया है कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

भाजपा नेता ने हाल ही में कालीगंज विधानसभा उपचुनाव के नतीजों से पहले टीएमसी की विजय रैली के दौरान बम धमाके में एक लड़की की मौत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और सरकार इसे रोकने में नाकाम है।

सुवेंदु अधिकारी बोले- इस्तीफा दें ममता बनर्जी

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने ऐलान किया कि इस घटना के खिलाफ जल्द ही बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। अधिकारी ने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उस समय दीघा में मौजूद थे, जहां ममता बनर्जी रथ यात्रा में शामिल हो रही थीं। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता जयप्रकाश मजूमदार ने विपक्ष से अपील की कि वे इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय अपराध रोकने के लिए रचनात्मक रवैया अपनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी दलों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच के कर रही है।

तेजस्वी अबकी अईहें गे, रौशन सबेरा लईहें गे, बिहार चुनाव को लेकर राजद ने कैंपेन सॉन्ग किया लॉन्च

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपना कैंपेन सॉन्ग लॉन्च कर दिया है। इस सॉन्ग की टैगलाइन है तेजस्वी अबकी अईहें गे, रौशन सबेरा लईहें गे। साथ ही इसमें उन्हें बिहार का बेटा बताया गया है और कई सारे वादों को पूरा करने की बात कही गई है।

राष्ट्रीय जनता दल का कैंपेन सॉन्ग करीब पांच मिनट 43 सेकंड का है। इस सॉन्ग की शुरुआत ग्रामीण क्षेत्र के खूबसूरत नजारे के साथ होती है। सॉन्ग के बोल में तेजस्वी यादव का जिक्र किया गया है और उन्हें नेता नहीं बल्कि बिहार का बेटा बताया गया है। यह मगही भाषा में तैयार गीत है।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका वीडियो शेयर किया है, जिसमें लिखा है, रौशन सवेरा लईहें गे। राजद के कैंपेन सॉन्ग में कहा गया है, तेजस्वी अबकी अईहें गे, रौशन सबेरा लईहें गे। नेता नहीं, ई बेटा छी, कोय एकरा सं बेहतर नहीं। इस कैंपेन सॉन्ग में बेरोजगारी का जिक्र, नौकरी देने का वादा, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, माई-बहिन योजना और वृद्धा पेंशन के तहत 400 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रति महीना देने का वादा किया गया है। इसके अलावा, शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योग पर फोकस और पलायन रोकने का भी वादा किया गया है।

कैंपेन सॉन्ग में कहा गया, आपन तेजस्वी भैया मुमकिन सब के सब कर पईहें गे। बता दें कि बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के मद्देनजर राजद नेता तेजस्वी यादव लगातार बैठक कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में छात्र-युवा संसद में हिस्सा लिया था।

उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर कार्यक्रम की फोटो शेयर करते हुए लिखा, आज छात्र-युवा संसद में उमड़े युवाओं के लिए ढेर सारा प्यार और आभार।

'जोरावर टैंक' अब और भी दमदार, चीन के इस टैंक को देगा टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अपने हल्के टैंक 'जोरावर' को और ताकतवर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने जोरावर टैंक के प्रोटोटाइप में लगे 760 हॉर्स पावर (hp) के इंजन को हटाकर अब 1,000 हॉर्स पावर वाले 'कमिंस एडवांस्ड कॉम्बैट इंजन (ACE)' लगाने की योजना बनाई है।

इस अपग्रेड का मकसद टैंक की पावर-टू-वेट रेशियो को 40 हार्सपावर प्रति टन तक पहुंचाना है, ताकि यह चीन के 'टाइप-15' लाइट टैंक को टक्कर दे सके, जिसे उत्तरी सीमाओं पर तैनात किया गया है।

पहाड़ी इलाकों में लड़ने के लिए कारगर

जोरावर टैंक की योजना 2020 की गलवान घाटी की सैन्य झड़प के बाद बनी, जिसमें यह साफ हो गया था कि भारतीय सेना को पहाड़ों में लड़ने के लिए तेज, हल्का और हवाई मार्ग से ले जाया जा सकने वाला टैंक चाहिए। भारत के मौजूदा मुख्य युद्धक टैंक जैसे T-72 और T-90 मैदान और रेगिस्तान में तो कारगर हैं, लेकिन पहाड़ी इलाकों में इन्हें चलाना मुश्किल होता है।

सेनापति के नाम पर टैंक का नाम

जोरावर टैंक का नाम 19वीं सदी के महान सेनापति जनरल ज़ोरावर सिंह कहलुरिया के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने हिमालयी इलाकों में कई सफल सैन्य अभियान चलाए थे। यह 25 टन का हल्का टैंक DRDO और निजी क्षेत्र की कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (L&T) के संयुक्त सहयोग से विकसित किया जा रहा है।

क्यों खास है नया कमिंस ACE इंजन?

नया इंजन अमेरिकी सेना के सहयोग से विकसित किया गया है और इसमें opposed-piston, two-stroke तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे यह इंजन ज्यादा कॉम्पैक्ट और ताकतवर बनता है।

इसकी पावर डेंसिटी पुराने वाले इंजन से 50% ज्यादा है।

यह इंजन कम गर्मी निकालता है।

ऊंचाई वाली जगहों या ऑक्सीजन की कमी वाले इलाकों के लिए एक आदर्श इंजन है।

पहले चुना गया था जर्मन इंजन

पहले जोरावर टैंक के लिए 800hp का जर्मन MTU इंजन चुना गया था, लेकिन जर्मनी की सख्त एक्सपोर्ट पॉलिसियों के चलते इसमें देरी हुई। इसके बाद अस्थायी तौर पर 760 hp का कमिंस VTA903E-T760 इंजन लगाया गया। बाद में जर्मन इंजन को परमिशन तो मिल गई, लेकिन भारत ने कमिंस को ज्यादा भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता मानते हुए उसी के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया।

हथियार और तकनीकी खूबियां

जोरावर टैंक में कई आधुनिक हथियार और तकनीकें हैं, जैसे-

बेल्जियम की जॉन कॉकरिल कंपनी का 105mm हाई-प्रेशर गन, जो कई तरह के गोले और एंटी-टैंक मिसाइल दाग सकती है। यह इस टैंक का प्रमुख हथियार है।

अब भारत सरकार ने 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए कमिंस ACE इंजन से भारत में उत्पादन या असेंबली यूनिट लगाने को भी कहा है।

रिमोट कंट्रोल मशीन गन

डुअल एंटी-टैंक मिसाइल लॉन्चर

A I -

बेस्ड सिचुएशनल अवेयरनेस

ड्रोन इंटीग्रेशन

एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम (जो आने वाले हमलों से रक्षा करता है)

ट्रायल और डिलीवरी की स्थिति

सितंबर 2024 में जोरावर ने रेगिस्तानी परीक्षण सफलतापूर्वक पू रे किए। इसके बाद दिसंबर 2024 में लद्दाख में 4,200 मीटर से ऊपर की ऊंचाई पर फायरिंग और गतिशीलता परीक्षण हुए। 2025 में मिसाइल फायरिंग ट्रायल हुआ। 2025-26 में यूजर ट्रायल होंगे, जो 12 से 18 महीने तक चल सकते हैं और 2027 तक टैंक को सेना में शामिल कर लिया जाएगा।

शादी से इनकार करने पर हुई थी डीएम के ड्राइवर की बेटी की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ आरोपी

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। 14 जून को डीएम के चालक की बेटी कल्पिता शर्मा हत्याकांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपित गुलशन उर्फ लुक्का को गुरुवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। एक लाख के इनामी बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी है।

वहीं, बदमाश की ओर से की गई फायरिंग में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पूछताछ में आरोपित ने बताया है कि वह कल्पिता से प्यार करता था और शादी करना चाहता था। कल्पिता ने शादी से इनकार कर दिया तो आरोपित ने उसे मौत के घाट उतार दिया।

डीएम राहुल पांडेय के सरकारी चालक राकेश शर्मा तहसील स्थित सरकारी आवास में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बेटी 24 वर्षीय कल्पिता शर्मा ने हाथरस के प्रेमरघु कॉलेज से जीएनएम का कोर्स किया था। मथुरा के जिला अस्पताल में वह प्रशिक्षण ले रही थी। 14 जून रात को वह अपनी मां उर्मिला के साथ बाजार खरीदारी के लिए जा रही थी। तहसील के गेट पर ही पहुंची थी तभी बुलेट पर सवार हमलावरों ने उन्हें रोका और कल्पिता पर गोली चला दी।

दोनों मां-बेटी स्कूटी सहित गिर गईं। मां के शोर मचाने पर हमलावर हथियार लहराते हुए फरार हो गए। कल्पिता की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। इस संबंध में पिता की तहरीर के आधार पर सादाबाद निवासी गुलशन, उसका साथी नवीन, पुत्रवधू ज्योति, उसकी बुआ गायत्री और बुआ का बेटा सूरज के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने रविवार को मुठभेड़ के बाद नवीन को दबोचा था। पुलिस की जांच में सामने आया है इस हत्याकांड में दो नहीं बल्कि चार युवक शामिल थे। सीसीटीवी में वह घटनास्थल के पास सफेद अपाचे बाइक पर खड़े हुए दिखे। कुछ दिन बाद पुलिस ने गुलशन के दो और दोस्त भारत और अभिषेक को भी मुठभेड़ के बाद दबोच लिया था।

गुलशन फरार चल रहा था। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया।

गुरुवार की रात को मथुरा-बरेली बाईपास पर हाथरस गेट पुलिस और एसओजी टीम को एक संदिग्ध युवक बाइक पर आता दिखा। पुलिस ने उसे रोका तो उसने बाइक दौड़ा दी। पुलिस ने नगला सिंघी के पास उसकी घेराबंदी की तो उसने फायर कर दिया।

गोली पुलिस आरक्षी प्रिंस कुमार को लगी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। आरोपित के दोनों पैरों में गोलियां लगीं। पूछताछ में सामने आया है बाइक सवार युवक गुलशन है, जिसने 14 जून को कल्पिता की हत्या की थी। पुलिस ने बदमाश और पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया।

एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा के अनुसार पूछताछ में गुलशन ने बताया है कि वह कल्पिता से प्यार करता था। वह उससे शादी करना चाहता था। कल्पिता की शादी दूसरी तय कर दी गई। कल्पिता गुलशन से शादी नहीं करना चाहती थी। इसी बात से गुस्सा होकर उसने योजना बनाकर कल्पिता की हत्या की थी।

ज्योति के इशारे पर हत्या की बात से इनकार

कल्पिता के पिता ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें आरोप था कि उनका पुत्रवधु ज्योति से विवाद चल रहा है। ज्योति ने ही कल्पिता की हत्या कराई है। मुकदमे में उन्होंने ज्योति, उसकी बुआ गायत्री देवी, बुआ का बेटा सूरज उसके साथी गुलशन और प्रवीन के खिलाफ अभियोग दर्ज कराया था। एसपी के अनुसार, गुलशन ने इस हत्याकांड में ज्योति का हाथ होने से इनकार किया है।

लाइसेंसी रिवाल्वर, बाइक बरामद

आरोपित के कब्जे से एक लाइसेंसी रिवाल्वर, जिंदा व खोखा कारतूस व एक बाइक बरामद हुई है। यह रिवाल्वर कल्पिता के पिता राकेश शर्मा की बताई जा रही है जो कि डेढ़ वर्ष पूर्व चोरी हो गई थी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक हाथरस गेट अरविंद कुमार राठी, एसओजी प्रभारी धीरज गौतम टीम के साथ शामिल रहे।

विद्यालय मर्जर नीति के खिलाफ शिक्षकों का हल्ला बोल, सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर द्वारा विद्यालयों के प्रस्तावित मर्जर के विरोध में आज जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एसडीएम सदर को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने के लिए जिले भर से शिक्षक एकजुट होकर तिकोनिया पार्क से जिला कार्यालय तक पहुँचे और मर्जर नीति के विरुद्ध विरोध दर्ज कराया।जिला अध्यक्ष दिनेश उपाध्याय ने बताया कि 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को एक-दूसरे में मिलाने की प्रक्रिया से गांवों के स्कूलों के बंद होने का खतरा है, जिससे गरीब और दूरदराज के बच्चों की शिक्षा बाधित होगी। विशेषकर, इससे बालिकाओं की शिक्षा पर गहरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह नीति शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की भावना के विपरीत है। जिला मंत्री राम आशीष मौर्य ने कहा कि सरकार किसी भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय को बंद नहीं कर सकती, फिर भी मनमाने तरीके से निर्णय थोपे जा रहे हैं।

बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने को निजी चिकित्सक आगे आएं : डॉ. आलोक

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से चल रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम से निजी क्षेत्र के अस्पतालों और चिकित्सकों को भी जोड़ा जाएगा। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने में इनकी अहम भूमिका है। यह बातें अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (नोडल आरसीएच) डॉ. आलोक कुमार ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में हुई पब्लिक प्राइवेट इंटरफेस बैठक में कहीं। बैठक में 15 निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि निजी चिकित्सक क्लिनिक, अस्पताल व नर्सिंग होम में ओआरएस और जिंक कार्नर जरूर बनायें ताकि लोगों को आसानी से समझ आ सके कि डायरिया के इलाज में ओआरएस और जिंक की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने बताया कि डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत फ्रंट लाइन वर्कर यानि आशा, एएनएम और महिला आरोग्य समिति की सदस्यों का अभिमुखीकरण किया जा रहा है ताकि वह समुदाय में जागरूकता की अलख जगाते हुए बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो सकें। इसके अलावा अस्पतालों में ओआरएस व जिंक कार्नर बनाने के साथ ही दीवार लेखन भी किया जा रहा है। हस्ताक्षर अभियान और नुक्कड़ नाटक के जरिए भी लोगों में डायरिया के प्रति जनजागरूकता लाने की योजना है। इस दिशा में निजी चिकित्सक, अस्पताल और नर्सिंग होम भी आगे आयें और इन गतिविधियों में हाथ बटाएं ताकि बच्चों को आसानी से डायरिया से सुरक्षित बनाया जा सके।

बैठक में उपस्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बी. एल. तिवारी ने भी सभी निजी चिकित्सकों और अस्पतालों से आग्रह किया कि वह "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम में सहयोग करते हुए डायरिया केस की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। बैठक में डॉ. पारुल - जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर, फौजिया-अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, पूनम यादव- डीएमसी यूनिसेफ, पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे, चोब सिंह बघेल, विक्रम माथुर आदि उपस्थित रहे।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मी नगर का निरीक्षण

पीएसआई इंडिया के डायरेक्टर प्रोग्राम हितेश साहनी ने शुक्रवार को जनपद के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मी नगर का दौरा किया और वहां पर डायरिया नियन्त्रण को लेकर किए गए प्रबंधों व गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित स्टाफ नर्स व फार्मासिस्ट से बातचीत की और कहा कि डायरिया रोको अभियान में जनजागरूकता की बड़ी जरूरत है। इसी तरह परिवार नियोजन के क्षेत्र में भी जागरूकता लाकर प्रसव के बाद अपनाए जाने वाले साधनों के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है। इसके लिए काउंसलिंग पर ज्यादा जोर दिया जाना चाहिए ताकि महिलाओं को पहले से जानकारी हो कि प्रसव के बाद उनको किस साधन को अपनाना है।

शाहजहांपुर में भीषण सड़क हादसा

हाईवे पर खड़े लोगों को टैंकर ने रौंदा, तीन की मौत, चार गंभीर घायल

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात टैंकर की टक्कर लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लोग बाराबंकी जिले और एक रामपुर का रहने वाला था। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र में फीलनगर के पास कार में सवार छह लोगों में पांच लोग बाइक सवार दो लोगों से सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल होने पर सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

सीएचसी में डॉक्टर ने कार सवार योगेश कुमार कुरील (55) निवासी विकास नगर थाना कोतवाली और विवेक मिश्रा (35) निवासी आवास विकास कॉलोनी थाना कोतवाली जिला बाराबंकी और बाइक सवार मुबसर अली (40) निवासी रतनपुरा सोमाली थाना आजीवनगर जनपद रामपुर को मृत घोषित कर दिया।

ये लोग हुए घायल

नरेंद्र चौधरी निवासी लखपड़ाबाद कोतवाली, महेश निवासी नाका थाना कोतवाली, शिवकुमार थाना जैदपुर जिला बाराबंकी और जुनैद निवासी रतनपुरा सोमाली थाना अजीबनगर जनपद रामपुर घायल हुए हैं।

पुलिस ने कार, टैंकर और बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, कार सवार नैनीताल जा रहे थे। उनकी कार से बाइक से छू जाने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो रही थी। तभी टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

घर लौट रहे बाइक सवारों को डंपर ने कुचला, दो की मौत, एक अस्पताल में भर्ती

आर्यावर्त संवाददाता

परशदेपुर (रायबरेली)। रायबरेली के सलोन जायस रोड पर त्रिलोकपुर मोड़ के पास बीती रात ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आ गई। इसमें बाइक सवार दो युवकों को डंपर ने कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नसीराबाद के पूरे भिखई मजरे बभनपुर गांव निवासी अमित कुमार यादव दिल्ली में नौकरी करता था। बृहस्पतिवार को देर रात वह दिल्ली से डीह पहुंचा। घर जाने के लिए वह सवारी वाहन का इंतजार करने लगा। इसी दौरान सवारी वाहन न मिलने पर उसने घर में फोन किया।

इस पर उसका छोटा भाई आशीष कुमार अपने साथी भोला विश्वकर्मा के साथ भाई को बाइक से लेने के लिए आया। बाइक पर तीन लोग सवार हुए। सलोन जायस रोड पर त्रिलोकपुर मोड़ के पास डंपर को ओवरटेक करते समय बाइक उसकी चपेट में आ गई।

हादसे में बाइक चला रहे भोला विश्वकर्मा (25) व अमित यादव (24) डंपर के पहिये के नीचे आ गए और दोनों की मौत हो गयी। वहीं, पीछे बैठा आशीष कुमार (18) गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक भाग गया। सूचना पर पहुंचे चौकी इंचार्ज कृष्ण चन्द्र ने घायल को आननफानन अस्पताल पहुंचाया। वहीं, हादसे की खबर लगते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष जीतेंद्र मोहन सरोज ने बताया कि सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। एक युवक घायल था उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

नि :शुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम मे बढ़ाया उत्साह

सुलतानपुर। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ अध्यक्ष मेराज अहमद खान के नेतृत्व में सप्ताह के प्रत्येक बृहस्पतिवार को एक दिन विगत तीन वर्षों से भूखे जरूरतमंदो को मुफ्त खाना खिलाने का सिलसिला जारी है। देर शाम बृहस्पतिवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला चिकित्सालय व रेलवे-स्टेशन पर गुरुवार की शाम राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा संचालित निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत युग तेवर के संपादक एवं वरिष्ठ साहित्यकार कमल नयन पाण्डेय ने जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन की थाली वितरित कर कहा, अगर जीवन को सही अर्थ देना है, तो समाज सेवा जैसे कार्यों से जुड़ना चाहिए। सप्ताह में एक दिन हम अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों, तीमारदारों और रेलवे स्टेशन परिसर में ठहरे आश्रयहीन यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराते हैं, ताकि वे कुपोषण के शिकार न हों। उन्होंने यह भी बताया कि यह सेवा गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन के माध्यम से की जा रही है।

कुंवारा पड़ोसी बन गया था बॉयफ्रेंड, पति ने दिखाया बड़प्पन... हंसी खुशी की एक डील और सौंप दी बीवी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दो बच्चों की मां ने पड़ोस में रहने वाले युवक को बॉयफ्रेंड बना लिया, जो उम्र में उससे 9 साल छोटा है। पति को इसकी भनक लगी तो उसने ऐसा फैसला लिया जिससे पूरा इलाका भी हैरान है। पति ने बड़प्पन दिखाते हुए पत्नी को उसी के प्रेमी को सौंप दिया। मगर हां एक डील जरूर की। वो ये कि दोनों बेटियों को भी अब पत्नी ही पालेगी।

पत्नी इस बात के लिए राजी हो गई। फिर दोनों बेटियों को लेकर पड़ोसी के साथ उसके घर विदा हो गई। इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा है। फूलपुर कोतवाली अन्तर्गत अमिलिया गांव के चन्द्रभान पटेल की शादी लगभग बारह साल पहले उतरांव थाना अन्तर्गत मोतिहा गांव निवासी आरती पटेल के साथ हुई थी। इधर कुछ सालों से आरती को अपने पड़ोसी करन पटेल निवासी अमिलिया से प्यार हो गया। आलम ये था कि दोनों एक दूसरे के बिना रह नहीं पा रहे थे। छिपते-छिपाते एक दूसरे से मिलते। उनके बीच कई बार संबंध भी बने। यह जानकारी पति चन्द्रभान को हुई तो उसने अपनी पत्नी को बहुत समझाया बुझाया कि उनकी दो बेटियां हैं। उनका पालन पोषण कैसे होगा, लोग क्या कहेंगे? लेकिन पत्नी का उसके प्रेमी से प्यार कम न हुआ।

प्रेमी को सौंपी बीवी

आखिरकार गुरुवार को पति ने तहसील में हलफनामा देकर पत्नी से संबंध विच्छेद कर लिया और पत्नी को उसके प्रेमी को सुपुर्द कर दिया, प्रेमी भी हंसी खुशी अपनी प्रेमिका को पाकर साथ लेकर चला गया। समझौते में यह तय हुआ कि पत्नी ही दोनों पुत्रियों जिनकी आयु दो और चार वर्ष हैं पालन पोषण करेगी। इस दौरान उक्त महिला के पिता भी मौजूद रहे।

9 साल छोटा है प्रेमी

प्रेमी करन जिसकी आयु 21 वर्ष हैं उसकी शादी अभी नहीं हुई हैं और वह अपनी प्रेमिका से नौ वर्ष छोटा बताया जा रहा है। बताया ये भी जा रहा है कि पत्नी पहले भी पड़ोसी के साथ भाग गई थी। लेकिन बाद में वो वापस भी लौट आई थी।

पत्नी ने किया पति का कत्ल, बेडरूम की दराज में मिलीं ऐसी गोलियां... 21 जून की रात का सामने आया पूरा सच

आर्यावर्त संवाददाता

बिलासपुर (रामपुर)। उत्तर प्रदेश के रामपुर के खजुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम धावनी बुजुर्ग का मजरा कंचनपुर निवासी देवकी नंदन की हत्या की गई थी। यह हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसकी पत्नी विमलेश ने ही की थी। विमलेश ने यह कदम अपने पति की प्रताड़ना से तंग आकर उठाया था। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने महिला के बेडरूम से नशे की गोलियां भी बरामद की हैं।

खजुरिया थाना प्रभारी राजीव कुमार के अनुसार ग्राम धावनी बुजुर्ग का मजरा कंचनपुर निवासी दिवंगत रामेश्वर दयाल के पुत्र गंगाराम ने खजुरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके छोटे भाई देवकी नंदन व उसकी पत्नी विमलेश का आपस में आए दिन लड़ाई झगड़ा होता था। 21 जून की रात में उसके भाई देवकी नंदन की पत्नी विमलेश ने उसके भाई की शराब में नशे की गोलियां मिला दीं, जिसके सेवन से उसके भाई देवकी नंदन की मृत्यु हो गई।

उन्होंने भाई की हत्या का आरोप विमलेश पर लगाया। थाना प्रभारी ने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह नामजद विमलेश पत्नी देवकी नंदन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। महिला की निशानदेही पर कमरे में बेडरूम की दराज में कपड़ों के नीचे रखी अल्प्राजोलम टैबलेट का एक पत्ता भी बरामद किया गया। बकौल पुलिस की पूछताछ में महिला ने बताया कि उसकी शादी करीब छह वर्ष पूर्व देवकी नंदन से हुई थी। जिससे उसके पास ढाई वर्ष का एक बेटा हितेश भी है। उसका पति मजदूरी करता था। महिला का कहना था कि उसका पति ने कुछ दिनों से शराब पीना शुरू कर दिया और अक्सर शराब पीकर मारता पीटता था। 21 जून की शाम को उसका पति खजुरिया की बाजार से चिकन और शराब लेकर आया था। उसने चिकन बनाया था और शराब पीने लगा था। वह शराब की आधी बोतल छोड़कर घर से बाहर निकल गया। इस दौरान उसने घर में रखी नींद की गोली के पत्ते में से चार गोली शराब की बोतल में डाल दीं। इसके बाद आकर देवकी ने गोलियां मिलीं शराब पी ली। महिला का कहना है कि उसने शराब की बोतल में गोलियां इसलिए डालीं, ताकि उसका पति बिना लड़ाई झगड़ा किए ही सो जाए और उसके साथ मारपीट न करे, लेकिन उसके पति की मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला को गिरफ्तार कर देवकीनंदन की हत्या का पर्दाफाश कर दिया गया है।

आखिर अनाथ हो गया मासूम हितेश

खजुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम धावनी बुर्जुग का मुजरा कंचनपुर निवासी देवकी नंदन की 21 जून की रात घर में ही मृत्यु हो गई थी। देवकीनंदन की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी विमलेश फंस गई। पुलिस ने आज उसे गिरफ्तार कर लिया। ऐसे में देवकी नंदन व विमलेश के ढाई वर्षीय पुत्र हितेश के भविष्य को लेकर लोग चर्चा करने लगे। लोगों का कहना था कि पिता की मृत्यु हो गई और मां जेल चली गई। ऐसे में हितेश अनाथ हो गया है। हालांकि, मासूम हितेश को उसकी दादी मालदेई अपने पास रखे हुए हैं।

विमलेश ने दस दिन पहले तो नहीं रच ली थी हत्या की साजिश

पुलिस के अनुसार देवकी नंदन के कमरे के बेडरूम से नशे की जो गोलियां बरामद की हैं। उन गोलियों को विमलेश ने दस दिन पहले ही देवकी नंदन से खजुरिया के एक मेडिकल स्टोर से मंगाया था। उसने उन गोलियों का खुद तो इस्तेमाल किया नहीं, बल्कि अपने पति की शराब में मिलाकर उसे मौत घाट जरूर उतार दिया। पुलिस का मानना है कि संभावना है कि महिला ने रोजमर्रा के लड़ाई-झगड़े से तंग आकर अपने पति को नशीली गोलियों वाली शराब पिलाकर मार डालने की साजिश पहले ही रच ली होगी।

ब्राह्मण समाज के सम्मान मे परशुराम युवा वाहिनी उतरी मैदान मे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। इटावा काण्ड को लेकर मामला अब और गर्म होता दिख रहा है सोशल मीडिया पर कुछ लोग अभद्र पोस्ट डाले थे ब्राह्मण समाज के माताओ और बहनो के ऊपर अभद्र भाषा लिख कर जिसको लेकर आज परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक रजि. संगठन अयोध्या के पदाधिकारी गण एकत्रित होकर इनायत नगर थाना और बीकापुर थाना दोनों जगह ज्ञापन दे कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की। करन आनद और दीपक यदुवंशी, इनायतनगर थाना और रमेश यादव बीकापुर थाना के अंतर्गत की फेसबुक आईडी से अभद्र लेख लिख के पोस्ट किया गया था जिसको लेकर आज संगठन के पदाधिकारियों ने कार्यवाही करने की मांग किया है। इसके सयोजन की जिम्मेदारी जिला प्रभारी पं देवीप्रसाद पाण्डेय और जिला महासचिव पं. देवेंद्र पाण्डेय ने संभाला। इस अवसर पर पं धर्मराज मिश्रा, पं प्रभाकर शुक्ला, पं दीप शुक्ला, पं दुर्गेश उपाध्याय, पं नीरज मिश्रा, पं. अच्युतानंद मिश्र, पं राज तिवारी, पं.अतुल तिवारी, पं.सुशील पांडे, पं.अनमोल मिश्रा,पं. डॉ दिनेश तिवारी पत्रकार, पं. दीपक तिवारी, पं.संतोष शुक्ला, पं.रमाकांत मिश्रा, पं. सोनू पांडे, पं.राकेश तिवारी, पं.अनुराग पांडे, पं. अवध बिहारी दुबे, पं रवि मिश्रा मिल्कीपुर, पं लवलेश मिश्रा, पं अवधेश दुबे, पं उमाशंकर शुक्ला, पं अमित तिवारी, पं अलोक मिश्रा, पं अतुल पाठक, पं उमेश पाठक, आदि दर्जनों ब्राह्मण बंधु मौजूद रहे। बीकापुर थाना अध्यक्ष ने कहा हम जल्द से जल्द दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजनें का कार्य करेंगे ऐसे लोगो को किसी हालत मे बक्शा नहीं जायेगा।

अपमान का बदला... उधार लिए 60 लाख न लौटाने पड़े, आरोपियों ने रची साजिश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुडंबा के अर्जुन एन्क्लेव निवासी प्याज कारोबारी उमाशंकर सिंह हत्याकांड का राजफाश करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक आरोपियों ने अपमान का बदला लेने के लिए उमाशंकर की हत्या की थी।

मूल रूप से सुल्तानपुर के लंभुआ भरखरे निवासी उमाशंकर से आरोपियों ने कारोबार के लिए 60 लाख रुपये लिए थे। रकम वापस न करनी पड़े, इसलिए भी हत्या की साजिश रची गई। हत्या के आरोप में सुल्तानपुर के सरकसी शिवगढ़ निवासी संजय कुमार चौहान, उसके भाई शिवा सिंह, प्रतापगढ़ के आशापुर गजरिया के कविनंदन व अभिनंदन को गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी ने बताया कि एक साल पहले संजय की मुलाकात उमाशंकर से हुई थी। उसने प्याज का कारोबार करने के लिए उमाशंकर से 10 प्रतिशत ब्याज पर 60 लाख रुपये उधार लिए। इसके बाद नासिक से प्याज मंगवाकर व्यापार शुरू किया।

नौकरों जैसा व्यवहार करना शुरू कर दिया

पूछताछ में संजय ने बताया कि रकम देने के बाद कुछ दिन तक उमाशंकर का व्यवहार ठीक था। बाद में उसने संजय व शिवा के साथ नौकरों जैसा व्यवहार शुरू कर दिया। शराब पीने के बाद वह अक्सर गालियां देता, जिससे दोनों नाराज थे। संजय ने शिवा, कविनंदन और अभिनंदन के साथ मिलकर उमाशंकर की हत्या की साजिश रची। योजना के तहत 23 जून की रात संजय और कविनंदन उमाशंकर के लखनऊ स्थित किराये के कमरे में पहुंचे। दोनों तभी आए, जब वैशाली खाना बनाकर जा चुकी थी। इसके बाद तीनों ने जमकर शराब पी। इस दौरान उमाशंकर ने दोनों से पैर दबाने के लिए कहा। कविनंदन ने इसके बहाने दबोचा और संजय ने चापड़ से उमाशंकर का गला रेत दिया।

अपमान से क्षुब्ध शिवा ने किया था आत्महत्या का प्रयास

आरोपियों ने बताया कि उमाशंकर ने संजय से उसकी 12 बिसवा जमीन का एग्रीमेंट भी करवा लिया था। उधर, बार-बार अपमानित किए जाने से क्षुब्ध होकर शिवा ने एक बार आत्महत्या का भी प्रयास किया था।

घटना के वक्त थाने पर बैठा था शिवा

शिवा पर हर्ष फायरिंग का केस गुडंबा थाने में दर्ज था। साजिश के तहत वह घटना के वक्त थाने में बैठा था, ताकि उस पर शक न हो। वह पुलिस और उमाशंकर के घरवालों को गुमराह करता रहा। शिवा उमाशंकर की पत्नी ममता को थाने ले गया और एफआईआर दर्ज कराई थी।

इंस्पेक्टर प्रभातेज श्रीवास्तव ने बताया कि संजय ने वारदात के लिए कार बुक की थी, जिसे उमाशंकर के कमरे से काफी दूर खड़ा किया था। हत्या के बाद संजय ने सुनसान जगह पर कपड़े बदले और दूसरी कार से भाग निकला। छानबीन में पुलिस को सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध दिखाई दिए। इसके बाद बेहटा फ्लाईओवर के पास से आरोपियों को दबोच लिया गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चापड़, सूजा और खून से सने संजय के कपड़े बरामद किए हैं।

मानसिक सुख शांति के विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। 'मानसिक सुख-शांति एवं प्रसन्नता हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन श्री शारदा कॉलेज ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, लखनऊ के तत्वावधान में 23 जून से 27 जून तक किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आम नागरिकों को मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जीवन को सुखमय बनाने के उपायों से परिचित कराना था।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, जूलॉजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला के पाँचों दिन मुख्य वक्ता के रूप में विविध सत्रों में भाग लिया और 'सकारात्मक मनोविज्ञान', 'आत्मबोध', 'मानसिक स्वास्थ्य की वैज्ञानिक पद्धतियाँ' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, एवं प्रो. विवेक मिश्रा जैसे प्रख्यात शिक्षाविदों ने भी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में कार्यशाला को संबोधित किया।

गुरुवार को समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के प्रमुख संरक्षक इन्द्र बहादुर सिंह (चेयरमैन), संरक्षक निर्मेश सिंह (वाइस चेयरमैन), संयोजक प्रो. (डॉ.) विवेक मिश्रा एवं डॉ. सुषांत गुप्ता ने सफल संचालन के लिए सभी प्रतिभागियों और अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संविधान बदलने की बात करके आरएसएस ने फिर दिखाई अपनी असली सोच : डॉ सी पी राय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ सी पी राय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदाधिकारी दत्तात्रेय हँसबोले के संविधान पर दिए गए बयान को अत्यंत आपत्तिजनक और खतरनाक करार दिया है। डॉ राय ने कहा कि हँसबोले द्वारा संविधान बदलने की मांग दरअसल आरएसएस की उसी मूल विचारधारा का हिस्सा है, जो हमेशा से लोकतंत्र, समानता और न्याय के विरोध में रही है।उन्होंने कहा कि आरएसएस के आदर्श गुरु गोलवलकर की सोच गरीब, दलित, पिछड़े और महिलाओं के प्रति हिकारत से भरी रही है। वही सोच आज भी आरएसएस के नेतृत्व और नीतियों में झलकती है। संविधान लागू होने के तत्काल बाद से ही संघ ने इसका विरोध शुरू कर दिया था, क्योंकि यह संविधान मनुवादी व्यवस्था को खत्म कर समता और न्याय आधारित समाज की नींव रखता है।डॉ राय ने कहा कि समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर आधारित भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है — चाहे वह सामाजिक, आर्थिक हो या धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा हो। समाजवाद का उद्देश्य संसाधनों का न्यायसंगत वितरण और वंचित वर्गों को समान अवसर देना है, जबकि धर्मनिरपेक्षता यह सुनिश्चित करती है कि राज्य किसी एक धर्म का पक्ष न ले और सभी को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार दे।उन्होंने कहा कि आरएसएस को संविधान की इन मूल आत्माओं से हमेशा आपत्ति रही है, क्योंकि इसकी सोच जाति आधारित ऊंच-नीच और धार्मिक श्रेष्ठता पर आधारित है।

लखनऊ में ई-रिक्शा चालक की चाकू से निर्मम हत्या का 3 घंटे में खुलासा, आरोपी शिवाकान्त मिश्रा गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना महानगर क्षेत्र में बीती रात माउंट कार्मेल स्कूल के पास बादशाहनगर केनरा बैंक के सामने एक युवक की चाकू से गोदकर सनसनीखेज हत्या कर दी गई। सूचना मिलने के बाद हरकत में आई महानगर पुलिस ने करीब 120 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की मदद से महज 3 घंटे के भीतर हत्यारोपी शिवाकान्त मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह कार्रवाई मैनुअल इनपुट और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर की।घटना मध्यरात्रि लगभग 12 बजे की है जब सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसे तत्काल भाऊराव देवरस संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके शरीर पर चाकू के गहरे घाव थे जो पीठ और पेट पर देखे गए। प्रथम दृष्टया मामला चाकू से जानलेवा हमले का प्रतीत हुआ।पुलिस ने मौके से खड़ी ई-रिक्शा (UP32 PN0929) के आधार पर मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए। ई-रिक्शा मालिक कलीम ने मौके पर पहुंचकर मृतक की पहचान दिनेश कुमार गौतम, पुत्र गुबरे, निवासी दत्तनगर थाना भिनगा जनपद श्रावस्ती के रूप में की, जिसे उन्होंने अपना ई-रिक्शा किराए पर चलाने के लिए दिया था। बाद में दिनेश के पिता को सूचना देकर अवगत कराया गया और थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया।जांच में सामने आया कि आरोपी शिवाकान्त मिश्रा, पुत्र राजकुमार मिश्रा, निवासी गोलागंज थाना बौंडी जिला बहराइच, खुद भी ई-रिक्शा चालक है और मृतक को पूर्व से जानता था। घटना वाली रात माउंट कार्मेल स्कूल के पास दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। उसी दौरान आवेश में आकर शिवाकान्त ने दिनेश पर चाकू से कई वार किए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।इस वारदात के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लोग भय के कारण घरों में बंद हो गए और रास्ता बदलकर जाने लगे। रेलवे स्टेशन बादशाहनगर क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। पुलिस का कहना है कि यदि तत्काल कार्रवाई न होती तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती थी।गहन तलाशी अभियान चलाकर पुलिस ने बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 के पास से शिवाकान्त मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध थाना महानगर में मुकदमा अपराध संख्या 149/2025 धारा 103(1) भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस मामले का सफल अनावरण प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा और उनकी टीम—वरिष्ठ उपनिरीक्षक गजेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक जितेन्द्र दुबे, हरिओम पटेल और शिवम दीक्षित की सूझबूझ और तत्परता से संभव हो पाया।

काशी में पत्रकारों पर मुकदमा निंदनीय, सरकार को आईना दिखाना बना गुनाह : अजय राय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर चढ़े एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो इस संवेदनशील मामले पर सवाल पूछने वाले छह पत्रकारों पर ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया। लंका थाना पुलिस द्वारा अरशद, अभिषेक झा, अभिषेक त्रिपाठी, सोनू सिंह, शैलेश और नितिन कुमार राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद पूरे पत्रकारिता जगत में आक्रोश है। इसी प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि यह मुकदमा न केवल निंदनीय है, बल्कि यह सरकार की तानाशाही प्रवृत्ति का एक और उदाहरण है।

अजय राय ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि जिन्होंने घटना पर सवाल उठाए, उन्हीं पत्रकारों को दोषी बना दिया गया, जबकि मालवीय जी की प्रतिमा का अपमान करने वाले युवक पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का यह स्पष्ट नियम बन चुका है कि जो सच्चाई उजागर करेगा, वही पहले दोषी ठहराया जाएगा। यह सरकार आलोचना से डरती है, और हर उस आवाज को दबाना चाहती है जो उसे आईना दिखाए।कांग्रेस नेता ने कहा कि पत्रकारों की कलम समाज की आवाज और शक्ति का प्रतीक है। यही कलम सच्चाई और न्याय के लिए लड़ती है, लेकिन आज जो आईना दिखाने का काम करता है, उसे अपराधी बना दिया जा रहा है। सरकार को अब आईना पसंद नहीं, क्योंकि उसके चेहरे पर इतने दाग हैं कि वह खुद को देखना नहीं चाहती।

बीबीएयू ने प्रवेश नीति, पीएचडी गाइडलाइन और नॉन-नेट फेलोशिप को लेकर जारी की चार महत्वपूर्ण अधिसूचनाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र को गुणवत्तापूर्ण और छात्र हितैषी बनाने की दिशा में चार अहम अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। ये अधिसूचनाएं विश्वविद्यालय की 82वीं अकादमिक काउंसिल की बैठक में लिए गए निर्णयों पर आधारित हैं और इनमें स्नातक (यूजी) व स्नातकोत्तर (पीजी) की प्रवेश नीतियों के साथ-साथ पीएचडी कार्यक्रम की नई गाइडलाइन और नॉन-नेट फेलोशिप के संशोधित नियम शामिल हैं।यूजी पाठ्यक्रमों के लिए सत्र 2025-26 की प्रवेश नीति को मंजूरी दी गई है। इस नीति के अंतर्गत छात्र ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी दिशा-निर्देश संबंधित विभागों और अमेठी परिसर तक भेज दिए हैं ताकि प्रक्रिया समयबद्ध और समन्वित रूप से संपन्न हो सके।पीजी पाठ्यक्रमों के लिए भी इसी सत्र की नई प्रवेश नीति स्वीकृत की गई है, जो पूरी तरह गुणवत्ता आधारित और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इस प्रक्रिया में भी ऑनलाइन आवेदन प्रणाली अपनाई जाएगी, जिससे छात्रों को सुगमता और समान अवसर प्राप्त हों।पीएचडी कार्यक्रम को लेकर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल का विशेष संदेश अधिसूचना के साथ साझा किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का पीएचडी पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप विकसित किया गया है, जो लचीलापन, अंतर्विषयी दृष्टिकोण और उद्योग व समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुसंधान को जोड़ता है। कुलपति ने यह भी कहा कि बीबीएयू ने शिक्षा, नवाचार और सामाजिक प्रतिबद्धता के क्षेत्र में देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसकी पुष्टि A++ NAAC प्रत्यायन और NIRF की राष्ट्रीय रैंकिंग में 33वें स्थान से होती है। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि शोधार्थियों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन, अत्याधुनिक अनुसंधान संसाधन और विशेषज्ञ संकाय का सहयोग मिले।इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय प्रशासन ने नॉन-नेट फेलोशिप के दिशा-निर्देशों में संशोधन कर नई रूपरेखा जारी की है। यह पहल उन शोधार्थियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी, जो यूजीसी-नेट या जेआरएफ के अंतर्गत नहीं आते लेकिन अनुसंधान के लिए गंभीर और योग्य हैं। इस निर्णय से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को शोध के क्षेत्र में नई संभावनाएं मिलेंगी।अभ्यर्थी और छात्र प्रवेश नीति, नियमावली व अन्य सभी जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.bbau.ac.in पर विजिट कर सकते हैं।

लखनऊ में चिनहट से लापता नाबालिग बालिका सकुशल बरामद, एएचटी यूनिट को मिली सफलता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की अपराध शाखा की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) ने एक और लापता नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। चिनहट थाने में दर्ज एक वर्ष पुराने अपहरण के मुकदमे से संबंधित इस 16 वर्षीय बालिका को पुलिस ने 24 मई 2025 को चिनहट तिराहे से बरामद किया।यह मुकदमा मूल रूप से 9 अगस्त 2023 को दर्ज किया गया था, जब एक महिला ने अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की सूचना दी थी। शुरूआती जांच थाना चिनहट के उपनिरीक्षक उमेश कुमार सिंह द्वारा की गई थी। मामले की जटिलता को देखते हुए विवेचना को 15 दिसंबर 2024 को संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के निर्देश पर एएचटी थाना को स्थानांतरित कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वित आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में ग्रामीण विकास और आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न विभागों से जुड़े व्यक्तियों को दक्ष और सक्षम बनाने हेतु व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।संस्थान के महानिदेशक एल० वेंकटेश्वर लू के संरक्षण में, प्रभार अपर निदेशक सुबोध दीक्षित एवं उप निदेशक डॉ. नीरजा गुप्ता के प्रशासनिक नियंत्रण एवं मार्गदर्शन में संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण कक्षों में तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम समानांतर रूप से आयोजित हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों का आयोजन मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, लखनऊ के सहयोग से 23 जून से 27 जून, 2025 की अवधि में किया जा रहा है।प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम में 23 से 26 जून तक कुल 71 ब्लॉक मिशन मैनेजरों के लिए चार दिवसीय आवासीय "डिटेल्स प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी०पी०आर०)" विषयक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही समान अवधि में ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 25 ब्लॉक मिशन मैनेजरों के लिए चार दिवसीय आवासीय "एफएनएचएसडब्ल्यू मॉड्यूल-1 एवं एमआईएस" विषयक प्रशिक्षण भी संचालित किया जा रहा है।इसी क्रम में 25 जून से 27 जून तक कुल 48 ब्लॉक मिशन मैनेजरों के लिए तीन दिवसीय आवासीय "मधुमक्खी पालन" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य महिला समूहों की दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।25 जून को मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन इन तीनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए बुद्धा सभागार में एक भव्य उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता महानिदेशक एल० वेंकटेश्वर लू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में इस्कान के दिव्य मिताई दास, पूर्व लोक सेवा आयोग सदस्य डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य, हैदराबाद के नेशनल रिसोर्स पर्सन के० लक्ष्मी राव, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक डॉ. जय प्रकाश और उप निदेशक डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह उपस्थित थे।उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने मधुमक्खी पालन एवं उससे जुड़ी अन्य विषयों पर महत्वपूर्ण और उपयोगी विचार प्रस्तुत किए। डॉ. शाक्य ने एग्रोफार्मिंग एवं मधुमक्खी पालन के विविध आयामों पर गहन जानकारी दी।

लखनऊ के मलिहाबाद में अवैध असलहा फैक्ट्री का पर्दाफाश, भारी मात्रा में हथियार और हिरन की खाल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई में अवैध शस्त्र निर्माण और तस्करी से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन उत्तर अंतर्गत थाना मलिहाबाद और रहीमाबाद की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान एक 68 वर्षीय व्यक्ति को भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस, हथियार निर्माण उपकरण और प्रतिबंधित वन्यजीव हिरन की खाल के साथ गिरफ्तार किया गया है।मामला उस समय प्रकाश में आया जब पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि कस्बा मिर्जागंज में पुराने पिक्चर हॉल के पास एक व्यक्ति अवैध तमंचे और कारतूस बनाकर बेचने की तैयारी में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर छापेमारी की और एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार किया। उसकी पहचान सलाऊद्दीन उर्फ लाला पुत्र सहाबुद्दीन निवासी मिर्जागंज, थाना मलिहाबाद के रूप में हुई, जिसकी उम्र 68 वर्ष है। तलाशी लेने पर उसके पास से 8 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुए।पूछताछ के दौरान जब पुलिस ने सख्ती से सवाल किए, तो आरोपी ने खुलासा किया कि वह वर्षों से पुराने चित्रपट सिनेमा हॉल के परिसर में अवैध हथियार बनाकर उन्हें बेचने का कार्य कर रहा था। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने जब उक्त स्थान पर दबिश दी, तो वहां से हथियारों का एक जखीरा बरामद हुआ। परिसर से कुल 3 पिस्टल 32 बोर, 1 देशी तमंचा 315 बोर, 2 तमंचा .22 बोर, 1 रायफल .22 बोर, 7 एयरगन, अर्धनिर्मित हथियार, 6 बांका, 2 छुरी, 1 आरी, 9 फरसा व गड़ांसे, हथियार बनाने के उपकरण तथा बड़ी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए। बरामद कारतूसों में 18 जिंदा कारतूस 315 बोर, 68 जिंदा कारतूस .22 बोर, 40 खोखा कारतूस .22 बोर, 30 कारतूस 12 बोर, 2 जिंदा कारतूस 32 बोर और 1 खोखा कारतूस 32 बोर शामिल हैं।इसके अतिरिक्त पुलिस को तलाशी के दौरान 2000 रुपये नकद और एक प्रतिबंधित वन्य जीव हिरन की खाल भी मिली, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो गया। बरामदगी के आधार पर आरोपी सलाऊद्दीन के खिलाफ मलिहाबाद थाने में शस्त्र अधिनियम की धाराओं 3/4, 5/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जबकि हिरन की खाल मिलने पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 9/51 के तहत एक और मुकदमा पंजीकृत किया गया। आरोपी को रात 1:30 बजे पुलिस हिरासत में ले लिया गया और उससे गहन पूछताछ की जा रही है।पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी शहद बेचने के नाम पर अपना व्यवसाय दर्शाता था, लेकिन इसके पीछे वह अवैध हथियार निर्माण और बिक्री की गतिविधियां चला रहा था। पुराने पिक्चर हॉल के परिसर में उसने असलहा फैक्ट्री जैसा अड्डा बना रखा था, जहां देशी तमंचों और पिस्टलों को न केवल तैयार किया जाता था, बल्कि उन्हें बेचने की भी योजना बनाई जाती थी।इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में मलिहाबाद थाना के अतिरिक्त निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह, विवेक कुमार, अमन कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी कुमार सिंह, महिला उपनिरीक्षक राखी वर्मा, कांस्टेबल देवेश कुमार व नीशू मलिक शामिल रहे, जबकि रहीमाबाद थाना से कांस्टेबल अरुण वन और रणविजय गौतम की भूमिका भी सराहनीय रही।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा की गई इस कार्रवाई को अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

भव्य रूप में पुनर्जीवित राय उमनाथ बली प्रेक्षागृह का लोकार्पण, ग्रीष्मकालीन संगीत कार्यशाला का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज राजधानी में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन संगीत एवं कला अभिरुचि कार्यशाला-2025 के समापन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने ऐतिहासिक राय उमनाथ बली प्रेक्षागृह के नवीन रूप में पुनः लोकार्पण कर उसे कलाकारों और रंगकर्मियों को समर्पित किया।जयवीर सिंह ने कहा कि यह प्रेक्षागृह आधुनिक ध्वनि-प्रकाश तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित कर दिया गया है, जिससे यह आने वाले वर्षों में कला, संगीत, नृत्य और नाटकों का सशक्त मंच बना रहेगा। उन्होंने इसे प्रदेश के सांस्कृतिक जीवन के लिए एक नया उत्सव बताया और कहा कि राज्य सरकार लोक कलाओं को संजोने और कलाकारों को मंच देने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।मंत्री ने भातखण्डे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक माह की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में 600 प्रतिभागियों की भागीदारी को भारत की सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिभाएं भारत की सनातन संस्कृति को अगली पीढ़ियों तक पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा, ₹एक समय भारत विश्वगुरु था, और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी संस्कृति वैश्विक स्तर पर पुनः गूंज रही है।₹जयवीर सिंह ने जानकारी दी कि प्रदेश सरकार प्रत्येक ग्राम पंचायत में वाद्य यंत्र किट उपलब्ध करा रही है ताकि लोक कला की जड़ें और गहरी हों। साथ ही, शहरी और ग्रामीण कलाकारों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है और वृद्ध कलाकारों को पेंशन भी दी जा रही है।कार्यक्रम में प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को 'उत्तर प्रदेश दिवस' के मौके पर विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो कलाकार राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे, उन्हें सरकार विशेष सम्मान देगी।समारोह में भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह, प्रमुख सचिव आयुष विभाग श्री रंजन कुमार, खाद्य एवं रसद विभाग के प्रमुख सचिव रणवीर प्रसाद, नियोजन विभाग की सचिव शेल्वा कुमारी जे., पद्मश्री लोकगायिका मालिनी अवस्थी, राय उमनाथ बली जी के पौत्र श्री स्वरेश्वर बली, संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डॉ. जयन्त खोत, बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. कुमकुम धर, पर्यटन सलाहकार जे. पी. सिंह, कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन, वित्त अधिकारी मनीष कुमार कुशवाहा, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं और पद्मश्री लेखिका डॉ. विद्या विन्दु सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।मंत्री ने अंत में कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित आज की युवा पीढ़ी ही भारत को आर्थिक और सांस्कृतिक महाशक्ति बनाएगी और वर्ष 2047 तक देश को पुनः विश्वगुरु के स्थान पर प्रतिष्ठित करेगी।

युद्ध दो देशों में संघर्ष ही नहीं पारिस्थितिकी तंत्र पर भी ड़ालता है असर

युद्ध केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं रहकर इसके साइड इफेक्ट जन-धन हानि से भी अति गंभीर होते हैं। युद्ध के चलते जिस तरह के गोला-बारुद और केमिकल युक्त बम, मिसाइलें और ना जाने क्या क्या का उपयोग होता है जो प्रकृति पर दूरगामी नकारात्मक असर छोड़ते हैं। आज भले ही इजरायल-ईरान युद्ध के बीच युद्धविराम हो गया हो और भारत पाक युद्धविराम की तरह इसका श्रेय भी डोनाल्ड ट्रम्प ले रहे हो पर युद्ध के दूरगामी दुष्परिणामों से आने वाली पीढ़ी और प्रकृति किसी को माफ करने वाली नहीं है। हालांकि इजरायल-युद्ध में दोनों देशों द्वारा ही अपनी अपनी जीत के दावें किये जा रहे हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता तो दूसरी और आज के समय में युद्ध किसी निर्णायक स्तर पर पहुंच ही जाये यह भी कहा जाना बेमानी होगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले इजरायल-हमास युद्ध, भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर और लंबे समय से लगातार चला आ रहा रुस-यूक्रेन युद्ध हमारे सामने हैं। आज चल रहे इन युद्धों में से किसी को भी निर्णायक स्तर पर पहुंचते हुए नहीं देखा जा सकता और आज के समय के इन युद्धों को निर्णायक स्तर पर ले जाने की बात करना भी बुद्धिमानी नहीं मानी जा सकती। आज का युद्ध कोई बच्चों का खेल नहीं है। यूक्रेन जैसा छोटा सा देश रुस जैसे बिग गन का पूरे साहस के साथ मुकाबला कर रहा है।

देखा जाए तो आज दुनिया के हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। एक और युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं तो दूसरी और दुनिया के देश आंतकवादी गतिविधियों से दोचार हो रहे हैं। बांग्लादेश का तक्ता पलट हमारे सामने है तो पाकिस्तान में औपचारिक रुप से सेना द्वारा सत्ता पर काबिज होने के समाचार देर सबेर आने ही है। अमेरिका में दूसरे देशों से शरणार्थी के रुप में आये लोग आये दिन नाक में दम कर रहे हैं। यूरोपीय देश खासतौर से फ्रांस इसका भुक्तभोगी रह चुका है। देखा जाए तो दुनिया के अधिकांश देश अशांति के हालात से दो चार हो रहे हैं।

युद्ध चाहे आज के जमाने का हो या पुराने जमाने का अपने निशान धरती पर लंबे समय तक के लिए छोड़. जाते हैं। यह कहना कि युद्ध इतिहास की बात रह जाता है, गलत होगा। यह विश्लेषण में युक्तिसंगत नहीं कहा जा सकता कि युद्ध के दौरान अमुख देश के इतने करोड़ रुपए प्रतिदिन खर्च हो रहे थे या युद्ध के कारण जनहानि के साथ ही करोड़ों की संपत्ति और युद्ध सामग्री का नष्ट होना भी एक बात है। इसके साथ ही युद्ध में प्रयुक्त सामग्री खासतौर से युद्ध आयुधों के प्रयोग के कारण प्रकृति पर कितना प्रतिकूल असर पड़ता है वह अकल्पनिय होता है। हालिया युद्धों में किस तरह से मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है और दूसरी और उन्हें नष्ट करने के प्रयास हुए हैं। इससे केवल क्षेत्र विशेष ही नहीं अपितु वायु मण्डल, पारिस्थिति तंत्र सहित प्रकृति पर गंभीर दूरगाामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बम, गोलाबारी, धुंआ, रासायनिक तत्वों के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों में बढ़ोतरी हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग पर इसका सीधा सीधा असर पड़ेगा। यह तो वायु मण्डल के प्रदूषित होने और ग्लोबल वार्मिंग की बात है दूसरी तरफ रासायनिक बमों के अवशेष और युद्ध के कारण बारुदी सुरंगों या बारुद आदि सामग्री के उपयोग के कारण भूजल, मिट्टी आदि भी प्रदूषित होती है और पानी के प्रदूषित होने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है। इसके साथ ही जल, थल और नभ तीनों ही स्थानों पर जैव विविधता प्रभावित होती है। वन्य जीवों के साथ ही पशु-पक्षियों सहित अन्य प्रजातियों की विलुप्ति सहित अनेक दुष्प्रभाव सामने आते हैं। युद्ध के कारण जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से प्रदूषण के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों पर विपरीत प्रभाव आता है।

पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने के साथ ही युद्ध के कारण जिस तरह से जन-धन हानि और प्रकृति पर विपरीत प्रभाव के साथ ही युद्ध के कारण संसाधनों के नष्ट होने, उन्हें वापिस दुरुस्त करने, आधारभूत संरचना विकसित करने और कुछ कार्य तत्काल दुरुस्त करने के होते हैं तो कुछ सुधार कार्यों में लंबा समय लगना होता है। इस तरह से युद्ध के कारण केवल दो देशों के बीच तात्कालीक संघर्ष और संघर्ष विराम मात्र नहीं होता और युद्ध का असर केवल जन-धन हानि तक ही सीमित नहीं होता यहां तक कि युद्ध का असर युद्धरत देशों तक ही नहीं होता अपितु युद्ध के कारण प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकांश देश प्रभावित होते हैं और प्राकृतिक संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। आज जिस तरह से विश्व गांव की बात की जाती है ग्लोबल की बात की जाती तो है यह साफ है कि युद्ध केवल युद्धरत देशों ही नहीं अपितु समूचे विश्व को युद्ध की आंच से दो चार होना पड़ता है। ऐसे में साम्राज्यवादी सोच और अहम् को त्याग कर उसके स्थान पर आपसी समझ और बातचीत से ही समस्या का समाधान महत्वपूर्ण हो जाता है।

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है।

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं।

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था।

इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। यदि कोई कथावाचक अपनी जाति व धर्म को छुपाकर यह कृत्य करता है तो चिंता की बात है। कोई कथा कहना चाहता है तो उसे अपना सही नाम बताने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए । नाम छुपाने के साथ साथ एक से अधिक आधार कार्ड रखना एक आपराधिक कृत्य है कोई कथावाचक ऐसा क्यों करेगा? इस पूरी घटना में सपा की प्रतिक्रिया से लगता है कि संभव है कि इटावा की घटना सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत करवाई गई हो और एक समय बसपा का नारा रहे "तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार" को अब सपा ने अपना लिया है। सपा ने पीडीए का दिल जीतने के लिए ब्राह्मण समाज का अपमान किया है।

इस बीच सपा ने राज्यसभा चुनावों के दौरान क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों ऊंचाहार से मनोज कुमार पांडेय, गोसाईगंज से अभय सिंह और गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। सपा की ओर से एक्स पर लिख गया कि सांप्रदायिक व पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को निकाला गया है। वहीं इन विधायकों का कहना है कि भगवान राम और रामचरित मानस के अपमान का विरोध करने के कारण इन सभी को निष्कासित किया गया है। विधायक मनोज पांडेय ने कहा कि मैंने सपा नेताओं द्वारा हिंदू देवी-देवताओं को गाली दिए जाने तथा रामायण की प्रतियां जलाने का विरोध किया था। विधायक मनोज पांडेय अयोध्या में रामलला के दर्शन भी कर आये हैं। सभी विधायकों ने कहा कि सपा में हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है। समाजवादी पार्टी ने अब लोहिया की विचारधारा को त्याग चुकी है। अखिलेश यादव आजकल कोई भी विषय हो पीडीए को बीच में घसीट लाते हैं। हाल ही में सोने-चांदी के बढ़ रहे दामों पर बयान देते हुए उन्होंने कहा कि सोने-चांदी के दाम चरम सीमा पर है जिस कारण गरीब पीडीए समाज की बिटिया की सगाई में सोना कैसे खरीदा जाएगा जबकि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि सोने चांदी की कीमतों पर केंद्र सरकार व राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं होता है अपितु यह अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर होता है। समाजवादी पार्टी मुखिया एक घोषणा यह भी कर रहे है कि जब उनकी सरकार आयेगी तब महापुरुषों की सोने की मूर्तियां लगवाई जाएंगी। अखिलेश यादव ने कन्नौज में सम्राट हर्षवर्धन और बहराइच में महाराज सुहेलदेव राजभर की सोने की मूर्तियां लगवाने की घोषणा की है। सत्यता यह है कि सपा मुखिया प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास और हिन्दुत्व के समन्वित एजेंडे का उत्तर नहीं खोज पा रहे हैं। बहराइच में योगी जी महाराज सुहेलदेव की कांस्य की प्रतिमा का अनावरण कर चुके हैं। मूर्तियों की घोषणा पर सपा मुखिया से यह प्रश्न भी पूछा जा सकता है कि जब 2012 से 217 तक प्रदेश में उनकी सरकार थी तब उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? समाजवादी पार्टी जब सत्ता में रही तब उसने अपनी तुष्टीकरण की नीति के चलते मुस्लिम आक्रान्ताओं को पराजित करने वाले महाराज सुहेलदेव सहित किसी भी अन्य महापुरुष का सम्मान नहीं किया। इसी प्रकार सपा नेता ने छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान में आगरा में भव्य संग्रहालय और लखनऊ गोमती नदी के तट पर सोने के सिंहासन पर बैठी उनकी एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। सपा मुखिया इतना सोना आखिर लायेंगे कहां से ? नेताओं को वही घोषणाएं करनी चाहिए जिस पर जनमानस विश्वास कर सके, नहीं तो चुनाव परिणाम आने पर फिर वही राग छिड़ेगा कि ईवीएम खराब है बैलट वापस लाओ।

अजब-गजब

52 साल से शख्स की आंत में फंसी थी ये खतरनाक चीज, फिर भी रहा जिंदा, डॉक्टर भी रह गए हैरान

चीन से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 64 वर्षीय व्यक्ति की आंत से 17 सेंटीमीटर का टूथब्रश (Toothbrush In Intestine) निकाला गया, जो पिछले 52 सालों से उसके शरीर में फंसा हुआ था। यह बुजुर्ग पेट दर्द की तकलीफ के बाद अस्पताल में भर्ती हुआ था, लेकिन जांच रिपोर्ट देखकर डॉक्टर्स हैरान रह गए।

यांग नाम का यह मरीज पूर्वी चीन के अनहुई प्रांत का रहने वाला है। बुजुर्ग ने खुलासा किया कि उसने 12 साल की उम्र में यह टूथब्रश निगल लिया था। लेकिन अपने माता-पिता की डांट से बचने के लिए उनसे यह बात छिपा ली। यांग का मानना था टूथब्रश समय के साथ खुद ब खुद खुल जाएगा, और उसने दशकों तक सामान्य जीवन जिया, जिसमें उसे कोई परेशानी नहीं हुई।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टरों ने एंडोस्कोपिक सर्जरी की और 80 मिनट में टूथब्रश को सफलतापूर्वक आंत से निकाल दिया। डॉक्टरों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में यह अस्पताल में किसी मरीज के पाचन तंत्र से कोई वस्तु निकालने का सबसे लंबा ऑपरेशन था।

मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार, टूथब्रश के कारण मरीज की आंत में छेद हो सकता था, जो उसकी जिंदगी के लिए घातक साबित हो सकता था। किस्मत से यांग के मामले में टूथब्रश आंत के एक मोड़ में आकर फंस गया था, जो दशकों तक हिल नहीं पाया, और उसे गंभीर जटिलताओं से बचाए रखा।

इस खबर ने सोशल मीडिया पर नेटिजन्स को हैरान कर दिया है। लोग यांग को भाग्यशाली बता रहे हैं कि वह बिना किसी परेशानी के पांच दशकों तक जीवित रहे। इससे पहले 2019 में ग्वांगडोंग प्रांत से एक ऐसी ही घटना सामने आई थी, जहां एक 51 वर्षीय मरीज की आंत से 14 सेंटीमीटर का टूथब्रश निकाला गया था। शख्स ने आत्महत्या के इरादे से उसे 20 साल पहले निगला था।

ब्लॉग

अमीरी बढ़ रही है और गरीबी भी

अरविन्द मोहन

मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है ।

भारतीय मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है या बढ़ रहा है यह बात हमारी अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वालों के लिए एक पहेली बना हुआ है। और सरकार द्वारा जनगणना कराने में अनावश्यक देरी होने के चलते ही नहीं उपभोक्ता सर्वेक्षण समेत काफी सारे सर्वेक्षणों पर रोक लगाने या उनके नतीजे सामने न लाने के चलते भी इस सवाल का विश्वसनीय जबाब देना मुश्किल हो रहा है। हाल में जिस तरह से कार बाजार में स्टाक का रिकार्ड बनता जा रहा है, अर्थात बिक्री से ज्यादा कार बन रहे हैं, वह बताता है कि मध्य वर्ग को लेकर इस बाजार के जानकार चूक कर रहे हैं। दूसरी ओर पिछले डेढ़-दो वर्ष मे शहरी मकानों की बिक्री में जो तेजी दिखी है और मकान बनाने के अंदर जो बदलाव हुए हैं वे बताते हैं कि बड़े मकानों की मांग बढ़ रही है, साल भर में दामों मे लगभग एक तिहाई (दिल्ली एनसीआए में एक साल में 34 फीसदी) की तेजी के बावजूद रियल इस्टेट बाजार तेज है। इतना ही नहीं अब एक या दो बेडरूम के फ्लैट बनने और बिकने कम हो गए हैं। इसी तरह छोटी कारों की बिक्री कम होने के साथ ही अब दोपहिया वाहनों, खासकर मोटरसाइकिलों की बिक्री में भी कमी दिखने लगी है। वैसे कुल मिलाकर ग्रामीण उपभोक्ता बाजार भी बढ़ना बंद कर चुका है।

मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है और काफी लोग नीचे भी धकेले गए हैं। बजट से पहले पेश आर्थिक सर्वेक्षण ही बताता है कि हमारे समाज के शीर्ष का एक तिहाई हिस्सा 77.8 फीसदी हिस्से पर काबिज है जबकि गरीबों वाले एक तिहाई हिस्से के पास 6.4 फीसदी संसाधन ही रह गए हों। अब इसी से यह बात समझ आती है कि पांच किलो मुफ्त अनाज योजना के दायरे में अस्सी करोड़ लोग क्यों हैं। और उनकी संख्या कम करने या यह योजना रोकने की हर कोशिश का राजनैतिक विरोध क्यों हो रहा है। अगर देश की आबादी 1.4 अरब मानें तब भी यह संख्या तो तिहाई आबादी को कवर करती है अर्थात शीर्ष अमीर जमात के अलावा सबको। और कथित मध्य वर्ग ऐसी हालत में है कि उसे पांच किलों मुफ्त अनाज लेना (और बदले में राजनैतिक लाभ देना अर्थात वोट देने में) कोई अनैतिक काम नहीं लगता।

अब सरकार चाहे चार लाख तक की आमदनी को कर से मुक्त रखे और 12.75 लाख की आमदनी को कई तरह की शर्तों और बचत के साथ कर मुक्त कर दे लेकिन बाजार के जानकार, जिनका मतलब उपभोक्ता अर्थात कंज्यूमर से होता है, मानते हैं कि देश में शीर्ष दस फीसदी अर्थात करीब 14 करोड़ लोग अमीर या उच्च - मध्यवर्ग के हैं और वे पंद्रह हजार डालर तक खर्च करने लगे हैं। 2019 से 2024 के बीच यह रकम बारह हजार से बढ़कर पंद्रह हजार डालर हुई है। एक ओर उनका औसत खर्च पांच साल में बीस फीसदी बढ़ा है तो अगले 23 फीसदी लोगों का खर्च तीन हजार डालर साल पर रुक सा गया है। बाजार के जानकार इनको 'कंज्यूमर रिलक्टेंट पर्चेजर्सÓ कहते हैं। अब यह दोनों हिसाब रुपए में बदलने पर भी सरकारी आयकर की परिभाषा या गिनती से कितना अलग है यह बताने की जरूरत नहीं है पर यह कहीं न कहीं यही बताता है कि हमारा कथित मध्य वर्ग अभी भी सामान्य उपभोग पर महीने में पचीस हजार रुपए से ज्यादा खर्च नहीं करता। और सरकार जिन्हें बचत या निवेश के आधार पर कर मुक्त रखने की घोषणा कर रही है वे असल में इसी शीर्ष वाले दस फीसदी के लोग हैं।

अब आप रियल इस्टेट की कीमतों में अचानक आई तेजी और बड़े घरों की मांग बढ़ने या बड़ी कारों की मांग बढ़ने जैसे सच पर गौर करते हैं तब यह बात समझ आती है कि मुंबई की कीमतें ऐसी हो गई हैं कि एक आदमी की सौ साल से भी ज्यादा की बचत एक ठीक ठाक मकान दिलवाने लायक नहीं रह गई है। महानगरों में कोई तीन बेडरूम फ्लैट करोड़ से नीचे का नहीं है और मध्य आकार वाले शहर भी वहीं पहुंचने वाले हैं। अगर औसत खर्च पचीस हजार करना भारी पड़ता है तो सत्तर-पचहत्तर हजार महीने की किस्त देकर कौन फ्लैट ले सकता है। सो सिर्फ मुफ्त या सस्ते राशन पर जोर नहीं पड़ रहा है बल्कि इंदिरा आवास और पीएम आवास योजनाओं जैसे कार्यक्रमों में भारी घूसखोरी और भीड़ है।

आधी रकम तक ऊपर बंट जाती है, ऊपर मतलब मोदी-शाह नहीं जिला और ब्लाक के अधिकारियों से लेकर गांव के प्रधान और कर्मचारी तक। और इसके राजनैतिक लाभ घाटे भी साथ जुड़े हैं। इतना ही नहीं महंगे घर और फ्लैट या गाड़ियों में दोहरा-तिहरा आर्डर भी इन्हीं सबसे जुड़ा है- वहां कोई अंबानी या अडानी छद्मनामों से बुकिंग कराने नहीं जाते। इसी नोएडा में जितने बिल्डर फेल हुए और सरकार ने एनबीसीसी के माध्यम से जिन परियोजनाओं को पूरा कराया उनमें कितने फीसदी बुकिंग वाले आए ही नहीं। यह प्रतिशत और नाम नेताओं और अधिकारियों अर्थात नवधनाढ्य वर्ग की सच्चाई को सामने ला सकता है लेकिन इसमे किसी की रुचि नहीं दिखती। उस पीड़ति वर्ग की भी नहीं जिसकी जिंदगी भर की कमाई इन परियोजनाओं में फंसी पड़ी थी।

सो भारत में अगर करखनिया उत्पादन के आंकड़े गिर रहे हैं, एसेम्बलिङ्ग को उत्पादन माना जाने लगा है और खेती-किसानी को बोझ तो अर्थव्यवस्था का ऐसा बेडौल स्वरूप उभरेगा ही। यह आर्थिक गैर बराबरी और उपभोग के स्तर का अंतर ही भ्रष्टाचार का असली जनक है। इसका लाभ समाज का ताकतवर जमात ज्यादा उठाता है-नीचे के लोगों में भी सुधार की जगह इसी होड़ में शामिल होने का रास्ता आसान लगता है। इसलिए राजनैतिक सामाजिक आंदोलन ठप्प होकर भक्ति समुदाय बढ़ रहा है। और भक्त बनाने वाले पांच किलो राशन से लेकर आशीर्वाद बांटने के काम को प्राथमिकता दे रहे हैं। अगर वे भ्रष्टाचार खत्म कारण एके नाम पर शासन में आते हैं तब भी उनकी रुचि दूसरे कामों में ज्यादा हों जाती है। और जिस मध्य वर्ग को इस सब की ज्यादा चिंता होती रही है वह ऊपर जाने की होड में है। वह कब नीचे धकेल दिया जाएगा इसकी समझ भी उसको नहीं है।

रेप किया, फिर चाकू से 15 वार... बेटी के गले पर खड़ा हो गया, ढाई करोड़ के मकान के खातिर सौतेले पिता ने बेटी को मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विज्ञानपुरी में एक दिल दहला देने वाली घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया। एक सौतेले पिता ने अपनी बेटी की 15 बार चाकू से वारकर बेरहमी से हत्या कर दी। यही नहीं, हैवान पिता उसके गर्दन पर पैर रखकर खड़ा हो गया। क्योंकि उसे लग रहा था कि अभी बेटी की मौत नहीं हुई है। इस घटना के बाद मां सदमे में है। उसने पुलिस को बताया है कि बेटी के साथ पति ने पहले रेप किया था। उसका पति दोबारा बच्ची से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाल रहा था। वहीं, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है।

मृतका लड़की की सहेली ने बताया कि पिछले 15 दिनों से वह गुमसुम रहने लगी थी। कॉलेज की

छुट्टियों में भी वह हॉस्टल से घर जाने से कतराती थी। सहेली के अनुसार, "वह घर के बारे में बात करने से बचती थी। जब भी कोई घर का जिक्र करता, वह बात को टाल देती थी।" छुट्टियों में जहां सभी छात्राएं घर जाने को उत्साहित रहती थीं, वहीं वह हॉस्टल में ही रहने की अनुमति मांगती थी। मां के बार-बार बुलाने पर वह अनमने मन से घर गई थी, जहां यह दर्दनाक घटना घटी।

सौतेले पिता की हरकतों से परेशान थी बेटी

मां ने पुलिस को बताया कि जब बेटी पहले हॉस्टल से घर आई थी, तब सौतेले पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस घटना से वह इतनी सहम गई थी कि जल्दी घर नहीं आती थी। मां के मुताबिक, "आरोपी की हरकतों से वह डर गई थी। छुट्टियों में भी वह हॉस्टल में ही रहना चाहती थी।" 30 जून को उसे हॉस्टल वापस जाना था, लेकिन उससे पहले सौतेला पिता फिर से गलत हरकत करने लगा। बेटी ने यह बात अपनी मां को बताई थी।

प्रॉपर्टी की लालच में हत्या, रोज होता था झगड़ा

पुलिस जांच में पता चला कि सौतेला पिता विकास प्रॉपर्टी के लालच में इस जघन्य अपराध को अंजाम दे गया। पत्नी के पास गुठंबा में एक प्लॉट था, जिसे विकास ने लगभग 3 करोड़ रुपये में बिकवाया था। इसमें से उसने पत्नी को केवल 80 लाख रुपये दिए और बाकी राशि हड़प ली। इसके बाद वह विज्ञानपुरी के मकान को 2.5 करोड़ रुपये में बेचने की फिराक में था। मां और बेटी इस बिक्री के खिलाफ थीं, जिसके चलते रोजाना घर में झगड़ा होता था। आरोपी को ऐसा लग रहा था कि अगर वह बेटी की हत्या कर देगा तो प्रॉपर्टी की सबसे बड़ी बाधा दूर हो जाएगी।

महानगर इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की गहन जांच चल रही है। मां के बयान के आधार पर मुकदमे में धाराएं बढ़ाई गई है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है और उसके मोबाइल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। साथ ही, उसके बैंक खाते की जांच की जा रही है।

सरकारी स्कूलों के बंदीकरण पर आप का विरोध, गांव-गांव आंदोलन की चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र सिंह ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर योगी सरकार द्वारा 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के फैसले का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है और प्रदेश में शिक्षा को खत्म करने की साजिश है। महेंद्र सिंह ने बताया कि मसौली ब्लॉक के मुंजापुर और देवकली गांव के प्राथमिक स्कूलों पर बुलडोजर चला दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मदिरालय खोलने में व्यस्त है और विद्यालय बंद कर रही है। उन्होंने कहा कि आरटीई एक्ट के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा देना अनिवार्य है, लेकिन सरकार बच्चों की शिक्षा छीन रही है। आप नेता ने चेतावनी दी कि जहां भी स्कूल बंद होंगे, वहां आम आदमी पार्टी आंदोलन करेगी। प्रेसवार्ता में जिला अध्यक्ष जुगराज सिंह और मीडिया प्रभारी आकाश वर्मा भी मौजूद रहे।

'तू मुसलमान है, शनि मंदिर में..', हिंदू युवक ने माथे पर लगाया तिलक, दबंगों ने कर दी पिटाई

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां कुछ लोगों ने दलित युवक की बेरहमी से पिटाई कर डाली। वो भी सिर्फ इसलिए क्योंकि दलित युवक ने शनि मंदिर में जाकर अपने माथे पर तिलक लगा लिया था। युवक की पिटाई जब हो रही थी को किसी ने इसका वीडियो भी बनाया, जो कि सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

मामला थाना खैर क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, घटना 23 जून 2025 को शिवाला नहर स्थित शनि देव मंदिर की है। यहां एक दलित युवक राजू, जोकि जाटव समुदाय से है, उसने शनि मंदिर में आकर माथे पर तिलक लगा लिया। राजू के अनुसार, दबंगों ने पहले उससे कहा कि 'तू मुसलमान है', जिसका राजू ने खंडन करते हुए कहा कि वह मुसलमान नहीं, बल्कि जाटव समुदाय से है।

'हाथ में फ्रैक्चर हो गया'

इसके बाद दबंगों ने उसकी जाति के आधार पर जमकर पिटाई की। मारपीट के दौरान राजू को गंभीर चोटें आईं, जिसमें उनके एक हाथ में फ्रैक्चर होने की बात भी सामने आई है। राजू ने आरोप लगाया कि उन्होंने इस घटना की शिकायत स्थानीय चौकी और खैर थाने में की, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई सुनवाई नहीं हुई। इस पर राजू ने अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय में पहुंचकर मारपीट करने वालों के खिलाफ FIR दर्ज की।

'खेत से वापस लौट रहे थे'

पीड़ति की पत्नी ने जानकारी देते हुए बताया- मेरे पति खेत से काम करके घर वापिस लौट रहे थे। तभी बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वो शनि देव के मंदिर चले गए। मेरे पति ने पूजा करके तिलक लगाया तो वहां के दबंग लोगों ने उनकी जाति पूछकर पिटाई कर डाली। इधर, पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नगर में पूरे हर्षोल्लास से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, उमड़ा जन सैलाब

मीरजापुर। नगर के त्रिमोहानी चौराहा से जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। सुबह ही भगवान ठाकुर राम कुमार मन्दिर प्रांगण से निकलकर चौराहा पर विराजमान हुए थे। आकर्षक ढंग फूलों और रंग बिरंगे कपड़ों से सजे 3 रथ पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भाई बलदाऊ के साथ विराजमान थे।

त्रिमोहानी चौराहा पर श्रद्धालुओं के करीब 10 घंटे दर्शन पूजन किया। सायंकाल भगवान के साथ नगर भ्रमण हेतु रथ को खींचने के लिए भक्तों में होड़ मची रही। यात्रा में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से संकीर्तन करते हुए कीर्तन मण्डली चल रही थी। इस्कान मन्दिर के श्री श्याम कृष्ण दास जी द्वारा कृष्ण भक्ति में लीन नृत्य, संगीत किया गया। इलाहाबाद के नगाड़ा पार्टी ने भी धूम मचा रखी थी। सुभद्रा माता के रथ के साथ महिलाओं का हुजूम था।

बिना कपड़ों के ताले में बंद थे बुजुर्ग, कुछ के कपड़े मल से सने... एक को रखने की कीमत 2 .5 लाख, फिर भी अपने ही घर में ये कैसी दुर्दशा ?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। बुजुर्ग घर की ताकत होते हैं, बुजुर्ग घर की शान होते हैं। यह वही बुजुर्ग हैं, जो अपने बच्चों की उंगली पड़कर उन्हें चलना सिखाते हैं, लेकिन जब यह बच्चे अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं तो इन्हीं बुजुर्गों को बोझ समझकर घर से बाहर निकाल देते हैं। कभी सड़क पर छोड़ देते हैं तो कभी वृद्ध आश्रम में। नोएडा के एक वृद्ध आश्रम में इंसानियत को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां 40 से ज्यादा बुजुर्ग नरक जैसा जीवन बिता रहे थे।

नोएडा के सेक्टर 55 के सी-ब्लॉक में आनंद ओल्ड एज होम पर गुरुवार दोपहर गोपनीय तरीके से राज्य महिला अयोग, नोएडा पुलिस और समाज कल्याण विभाग के साथ-साथ जिला प्रोविजनल कल्याण विभाग ने रेड की। रेड के दौरान ओल्ड एज होम में बुजुर्गों की दयनीय स्थिति पाई गई।

बिना कपड़ों के ताले में बंद थे बुजुर्ग

इस रेड के दौरान ओल्ड एज होम में कई बुजुर्ग ताले में बंद मिले। उनके शरीर पर कपड़े तक नहीं थे। उन्हें एक कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगाया गया था। कुछ बुजुर्ग महिलाओं के हाथों को कपड़े से बांधकर रखा गया था। रेड के दौरान इन बुजुर्ग महिलाओं के हाथों को खोला गया और जिन बुजुर्ग पुरुषों के शरीर पर कपड़े नहीं थे,उनको कपड़े भी दिए गए।

दरिंदगी की इंतहा तो यहां तक थी कि कई बुजुर्गों के कपड़े मल-मूत्र से सने हुए थे। प्रशासन ने जब छापेमारी की तो पाया कि बुजुर्गों की देखभाल के लिए कोई भी स्टाफ वहां पर नहीं था। ये सारे बुजुर्ग अपनी रोज की क्रिया, जरूरतें, साफ-सफाई तक खुद ही कर रहे थे।

हर बुजुर्ग के लिए सरकार देती है 2 .5 लाख रुपये

रेड के दौरान ओल्ड एज होम में एक महिला मिली, जिसने पहले तो खुद को नर्स बताया लेकिन जब महिला से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपने आप को मात्र 12वीं पास बताया। चौंकाने वाली बात यह है कि एनजीओ, ओल्ड एज होम के नाम पर बुजुर्गों को रखने के लिए प्रति व्यक्ति ढाई लाख रुपये सरकार की तरफ से डोनेशन लेते हैं।

यही नहीं, सरकार की तरफ से खाने-पीने और रहने के लिए 6000 प्रति महीना भी दिया जाता है। इसके बावजूद 40 बुजुर्ग इस ओल्ड एज होम में नरकीय जीवन जीने के लिए मजबूर थे। इन्हें रेस्क्यू कर कर अलग-अलग सरकारी ओल्ड एज होम में शिफ्ट किया गया है।

40 बुजुर्गों को किया गया शिफ्ट

राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉक्टर मीनाक्षी अपनी टीम के साथ आनंद निकेतन वृद्ध आश्रम सेक्टर-55 नोएडा में शिकायत मिलने होने पर अचानक पहुंची थीं। इस दौरान वृद्ध सेवा आश्रम में कई सारी अनियमिताएं पाई गईं। इसके बाद इस वृद्ध आश्रम से 40 बुजुर्गों को रेस्क्यू करने के बाद आश्रम को सील किया गया है। सूत्रों की माने तो नरक जैसा जीवन जी रहे इन 40 बुजुर्गों में कई नोएडा और आसपास के रईस घरों के बुजुर्ग हैं, जिनको उनके बच्चों ने छोड़ दिया था।

गांवों में पीडीए की बढ़ी है लोकप्रियता: बंटी राव

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर गांवों में पी.डी.ए. कार्यक्रम जोरदार तरीके से चल रहा है। जिसके वजह से गांवों में सपा की लोकप्रियता खासतौर से पी.डी.ए.के लोगों में बढ़ी है। उक्त बातें कुशीनगर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम सभा खरदेवा के टोला पिपरासी में समाजवादी पार्टी के नेता राजेश प्रताप उर्फ बंटी राव ने कही। उन्होंने कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनते ही बिजली मुफ्त, महिलाओं को हर महीना रु 3000 मिलेगा। युवाओं को नौकरी मिलेगी। विकलांग को सुविधा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सपा वास्तव में पी.डी.ए. के शुभचिन्तक है। जब भी प्रदेश में सपा की सरकार बनती है। पी.डी.ए.के लोगों के लिए योजनाओं को लागू किया जाता है और पी.डी.ए.के लोग भरपूर लाभ उठाते है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में विकास कार्य धरातल पर होता है। इसके साथ ही किसानों के विकास के लिए योजनाओं को लागू किया जाता है।

बेटी की हत्या कर फांसी पर लटकाने का पिता ने लगाया आरोप

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के इंद्रवार गांव निवासी छोटे लाल कोल ने बेटी की हत्या कर फांसी पर लटकाने का आरोप लगाते हुए युवक के विरुद्ध शुक्रवार को सीएम पोर्टल पर प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। सीएम पोर्टल पर दिए गए प्रार्थना पत्र में छोटे लाल ने आरोप लगाया कि 28 वर्षीया पुत्री किरन की शादी वर्ष 2015 में संतलाल कोल निवासी करनपुर पथरहवा थाना हलिया के साथ किया था। किरन का पति संतलाल कोल ओडिशा में रहकर मेहनत मजदूरी करता है।

कानपुर में परिषदीय स्कूलों में नहीं मिले बच्चे, अब 142 स्कूलों का होगा विलय

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में परिषदीय स्कूलों के विलय की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कुल 195 स्कूलों में से 142 के विलय का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) के स्तर से अगले सप्ताह सहमति मिलने के बाद विलय के आदेश जारी किए जाएंगे। इसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी अपने-अपने ब्लॉक में स्कूलों के विलय की प्रक्रिया को लागू करेंगे। सहमति मिलते ही सभी स्कूलों का विलय कर दिया जाएगा। हालांकि, शिक्षक संगठनों ने इस कदम का विरोध करने की चेतावनी दी है।

स्कूल शिक्षा महा निदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए जिलों में स्कूलों के विलय की कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान 1 से 20 छात्रों वाले स्कूलों को चिह्नित करने का कार्य पूरा किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग ने

छात्र-शिक्षक अनुपात को सुधारने के लिए यह कदम उठाया है।

पहले चरण में 142 स्कूलों का विलय

बीएसए सुरजीत कुमार सिंह ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारियों से 1 से 20 छात्रों की संख्या वाले स्कूलों और शिक्षकों की सूची तैयार कराई गई है। जिले में 195 स्कूल ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जहां छात्रों की संख्या बहुत कम है। पहले चरण में 142 स्कूलों का विलय अगले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा।

छात्र-शिक्षक अनुपात को सुधारने की कोशिश

कानपुर नगर के परिषदीय स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात काफी असंतुलित है। कई स्कूलों में शिक्षकों की संख्या आवश्यकता से अधिक है। उदाहरण के तौर पर, कुछ स्कूलों में 15 बच्चों को पढ़ाने के लिए तीन शिक्षक और एक शिक्षा मित्र तैनात हैं। नियमों के अनुसार, प्राथमिक स्कूलों में 30 बच्चों पर एक शिक्षक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में 35 बच्चों पर एक शिक्षक होना चाहिए। इस असंतुलन को ठीक करने के लिए विभाग स्कूलों के विलय पर जोर दे रहा है।

विभाग की कोशिश शिक्षा व्यवस्था हो अधिक प्रभावी

विलय की प्रक्रिया से जहां संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, वहीं शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार की उम्मीद है। हालांकि, शिक्षक संगठनों का कहना है कि इससे शिक्षकों और छात्रों को असुविधा हो सकती है। जबकि विभाग का लक्ष्य है कि विलय के बाद स्कूलों में संसाधनों का समुचित वितरण हो और शिक्षा व्यवस्था अधिक प्रभावी बने।

एक कन्टेनर को आबकारी अधिनियम की धारा 72 के तहत जब्त कराया गया

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी में पकड़े गये वाहनों को आबकारी अधिनियम की धाराओं में जिलाधिकारी बाराबंकी को आख्या प्रेषित कर जब्त करने की कार्यवाही की जा रही है जिसका विवरण निम्नवत है। एस.टी.एफ थाना जैदपुर पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा दिनांक 20.03.2021 को जनपद बाराबंकी के लखनऊ-अयोध्या मार्ग, अहमदपुर टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तगण 1.मो0 फिरोज पुत्र मो0 जाकिर निवासी मुडहामा थाना डिडौली जनपद ज्योतिबा फुलेनगर 2.मो0 नईम पुत्र अशरफ निवासी गुरेर थाना मनाढेर जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार कर कब्जे से एक अदद कन्टेनर नं0 यूपी 23 टी 9952 से अरूणांचल प्रदेश की प्रतिबन्धित 900 पेटी अवैध शराब की बरामदगी की गयी। जिसके आधार पर थाना जैदपुर पर मु0अ0सं0 99/2021 धारा 419/420/467/468/471 भादवि व 60/63/72 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया था। अभियुक्तगण द्वारा प्रस्तुत रूट चार्ट व दस्तावेज भ्रामक एवं संदिग्ध पाए गए। निर्धारित मार्ग से हटकर वाहन को अवैध रूप से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद में प्रवेश कराया गया था एवं प्रपत्रों के अनुसार 100 पेटी शराब की तस्करी की गयी थी। वाहन स्वामी द्वारा आर्थिक एवं भौतिक लाभ हेतु वाहन से अरूणांचल प्रदेश की प्रतिबन्धित शराब की तस्करी करने के उद्देश्य से वाहन का परिवहन किया गया। जिसके आधार पर पुलिस द्वारा उपरोक्त वाहन/कन्टेनर नं0 यूपी 23 टी 9952 (18,00,000 रुपये) को चिन्हित कर जब्तीकरण हेतु जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी को आख्या प्रेषित की गई जिसके आधार पर श्रीमान जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी द्वारा उपरोक्त वाहन को जब्त करने का आदेश पारित किया गया।

यूपी में बदल जाएगा सरकार और संगठन का स्वरूप, 2024 की गलतियों से बचने का भी प्लान तैयार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की रणनीति तैयार है, लेकिन इस बीच अगले प्रदेश अध्यक्ष का इंतजार है. अध्यक्ष के ऐलान में देरी का असर विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर भी पड़ सकता है. बीजेपी के साथ-साथ प्रदेश की नजर समाजवादी पार्टी की तैयारियों पर भी है. बीजेपी नेताओं का मानना है कि बीजेपी लोकसभा चुनाव की गलतियों से बचने के लिए संगठन और सरकार पर जल्द फैसला लेना जरूरी है. हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि यूपी में जल्द ही संगठन और सरकार का नया स्वरूप नजर आएगा. इस नए स्वरूप पर 2024 लोकसभा चुनाव के खराब नतीजों से बीजेपी सबक लेती दिखेगी. पार्टी की कोशिश है कि 2027 विधानसभा चुनाव में 2024 लोकसभा चुनाव की गलतियां न हो. इस समय बस प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष के नाम का इंतजार हो रहा है. राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति से पहले यूपी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति होगी. सूत्रों के मुताबिक एक बार प्रदेश संगठन का चुनाव संपन्न होने के बाद संगठन और सरकार का स्वरूप बदलेगा.

कब होगा यूपी में मंत्रिमंडल का विस्तार?

सरकार की बात करें तो प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के बाद जल्द ही यूपी मंत्रिमंडल में विस्तार होगा. इस विस्तार में उन क्षेत्रों और जातियों को सरकार में जगह मिल सकती है, जिनका प्रदेश मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं है या कम है.

इन क्षेत्रों का बढ़ सकता है मंत्रिमंडल में कद

पिछले लोकसभा चुनाव में पासी और कुर्मी वोट का बड़ा हिस्सा बीजेपी के पक्ष में नहीं था. जाटव वोट का भी अच्छा खासा हिस्सा अखिलेश यादव के पाले में चला गया था. खासकर उन सीटों पर जहां पर समाजवादी पार्टी ने जाटव उम्मीदवार खड़ा किया था. इसके अलावा अवध, प्रतापगढ़ - प्रयागराज, अम्बेडकरनगर, ब्रज और काशी क्षेत्र से सरकार में और प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है या प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सकता है. इसमें भी अवध क्षेत्र से पाशी -कुर्मी , प्रतापगढ़-अम्बेडकर नगर-प्रयागराज क्षेत्र से सैनी-मौर्य-शाक्य, ब्रज क्षेत्र से शाक्या, काशी से बिंद-कुर्मी को सरकार में प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है या फिर प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सकता है. इन क्षेत्रों में जातियों का समीकरण क्षेत्रवार एडजस्ट किया जाएगा.

सपा की रणनीति को काउंटर करने में जुटी बीजेपी

2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन में जिस तरह से सोशल इंजीनियरिंग की और उसका फायदा अखिलेश को हुआ था. बीजेपी उसको काउंटर करने की अभी से रणनीति बनाने में जुट चुकी है. पार्टी का मानना है कि विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी औसतन 130 से 140 सीट अपने कोर वोटर मुस्लिम और यादव के उम्मीदवारों को दे रही है.

ओबीसी वोटरों पर बीजेपी की नजर

बीजेपी को लगता है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी इनमें से आधे सीटों पर इस समुदाय से अलग मसलन ब्राह्मण, कुर्मी जैसी जातियों को टिकट देती है, तो पार्टी के लिये उससे पार पाने में बहुत मुश्किल हो सकती है. समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में यह नुस्खा आजमा चुकी है. इसका असर ये हुआ कि लोकसभा चुनाव में यूपी में हर लोकसभा सीट पर बीजेपी का वोट 6 से 7 फीसदी कम हुआ. इसलिये बीजेपी प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि हमे वो रणनीति बनानी ही होगी, जिससे गैर यादव ओबीसी वोट अखिलेश के पाले में न जा पाए. ब्राह्मण कथावाचकों को लेकर समाजवादी पार्टी जो विरोध प्रदर्शन कर रही है, उसको लेकर बीजेपी वेट एंड वॉच की भूमिका में है. पार्टी का मानना है कि समाजवादी पार्टी और उसके कोर वोटर जितना इस मसले पर उग्र प्रदर्शन करेंगे, वो उनके खिलाफ और बीजेपी के पक्ष में जाएगा.

सुहागरात मनाई, फिर प्यार से बोली- आप सो जाइए... जैसे ही दूल्हे की आंख लगी, दुल्हन कर गई कांड

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक दुल्हनिया अपने दूल्हे संग ससुराल पहुंची। धूमधाम से उसका स्वागत किया गया। सभी रस्मों के बाद बारी आई सुहागरात की। लेकिन सुहागरात पर दुल्हन ऐसा कांड कर गई कि पुलिस अब उसे तलाश रही है। दरअसल, दुल्हन ने सुहागरात पर दूल्हे से कहा- आप सो जाइए। जैसे ही दूल्हे की आंख लगी, दुल्हन सारा कैश और गहने लेकर वहां से भाग गई।

सुबह जब दूल्हे की नींद खुली तो वह चीखने-चिल्लाने लगा। दूल्हे के मां-पिता समेत सभी परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो घटना जानकर हैरान रह गए। मामला कस्बा सादाबाद का है। शादी के बाद सुहागरात की अगले दिन ही दुल्हन

ससुराल से दो लाख रुपये लेकर फरार हो गई।

ससुरालीजन फरार दुल्हन और शादी करने वाले एजेंट की तलाश जुटे हैं। इधर इलाके में यह शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, कस्बा सादाबाद निवासी एक युवक का रिश्ता एक एजेंट द्वारा झारखंड की युवती से तय कराया गया। दोनों पक्षों की रजामंदी से विवाह का मुहूर्त भी तय हो गया। यह भी तय हुआ की लड़की पक्ष के लोग सादाबाद में ही आकर शादी करेंगे।

24 जून को कर गई कांड

तय कार्यक्रम के अनुसार कस्बा के एक मैरिज होम में 23 जून को शादी सकुशल संपन्न हो गई। दुल्हन विदा होकर ससुराल पहुंच गई। मगर सुहागरात के बाद 24 जून की तड़के दुल्हन फरार हो गई। सुबह जब घर के अन्य परिजन जागे तो दुल्हन को घर में न देखकर हक्के बक्के रह गए। उन्होंने उसे तलाश भी किया मगर उसका कोई सुराग नहीं लगा।

दुल्हन और एजेंट की तलाश

चर्चा है कि दुल्हन अपने साथ लगभग दो लाख रुपये भी ले गई है। लोकलाज के चलते पीड़ित परिजनों ने पुलिस को भी सूचना नहीं दी है। फिलहाल ससुरालीजन अपने स्तर से .दुल्हन की तलाश में कर रहे हैं। इसके अलावा उस एजेंट को भी खोजने में लगे हैं जिसने युवक की शादी कराई थी।

स्ट्रेट करवाने से डैमेज हो गए हैं बाल, घर की इन चीजों से इन्हें नेचुरली बनाएं सॉफ्ट

बालों को स्टाइलिश बनाने के लिए इनकी स्ट्रेटनिंग या रिबॉन्डिंग कराना आजकल कॉमन है। महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स से साल भर या इससे ज्यादा बालों को स्ट्रेट किया जा सकता है लेकिन इसके बाद ये फ्रिजी, ड्राई या डैमेज नजर आते हैं। खराब नजर आ रहे बालों को फिर से नेचुरली ठीक करना है तो घर की इन चीजों की मदद लें।

बालों को स्ट्रेट करवाने के कुछ समय बाद ये डैमेज नजर आते हैं. ज्यादातर महिलाएं 5 से 7 हजार में इनकी स्ट्रेटनिंग या रिबॉन्डिंग करवा लेती हैं लेकिन एक समय ये तय होता है कि ये फ्रिजी या हद से ज्यादा ड्राई नजर आते हैं। स्मूद और शाइनी नजर आने वाले हेयर अगर एक समय पर रफ दिखे तो ये पूरे लुक को खराब करने जैसा होता है। वैसे पार्लर या ब्यूटी सेंटर से शैंपू या कंडीशनर जैसे प्रोडक्ट्स केयर के लिए दिए जाते हैं पर जरूरी नहीं है कि ये हेयर डैमेज के खतरे को कम कर दें। ऐसे में बालों को फिर से नेचुरली रिपेयर करने के लिए घर में रखी चीजें काम आ सकती हैं। केला से लेकर अंडा जैसी कई खाने की चीजें हैं जो बालों को पोषण देकर इन्हें रिपेयर होने में हेल्प करते हैं। क्योंकि इनमें पोषक तत्व काफी होते हैं।

दरअसल, बालों की खूबसूरती बढ़ाने वाले स्ट्रेटनिंग या रिबॉन्डिंग में केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का यूज किया जाता है। शुरू में भले ही इनसे बालों अट्रैक्टिव बन जाते हैं पर कुछ टाइम बाद ये रूखे और बेजान लगते हैं। ऐसे में हम आपको होम रेमेडीज के बारे में बताने जा रहे हैं जिनसे डैमेज बालों को फिर से स्मूद और शाइनी बनाया जा सकता है। जानें इनके बारे में...।

हेयर स्ट्रेटनिंग के नुकसान

बालों को स्ट्रेट कराने में सबसे बड़ा डैमेज इनमें नमी की कमी का होना है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस कारण बालों की नेचुरल नमी खत्म हो जाती है। क्योंकि हेयर स्ट्रेटनिंग के दौरान बालों पर हीटिंग टूल्स का यूज भी किया जाता है। इसके अलावा इसमें यूज होने वाला केमिकल भी हेयर डैमेज की एक वजह है। ऐसे में बालों के टूटने या तेजी से झड़ने की प्रॉब्लम भी परेशान करती है। इतना ही नहीं बालों की नेचुरल बनावट भी पूरी तरह से बिगड़ जाती है।

अंडे का मास्क

संडे हो या मंडे रोज खाने चाहिए अंडे... भारत में इस फूड को न्यूट्रिशन का पावर हाउस माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये सेहत ही नहीं बालों और चेहरे की देखभाल में भी कारगर साबित होता है। इसकी पीले हिस्से में हेल्दी फैट्स जैसे ओमेगा फैटी-3 एसिड होता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन भी होता है। बालों को मजबूत बनाने में इसके तत्व मदद करते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि इसके स्मूदनिंग इफेक्ट बालों को नेचुरली स्ट्रेट बनाते हैं। एक बर्तन में अंडा लें और इसमें एलोवेरा जेल को मिलाकर बालों पर लगाएं। इसके बाद शैंपू करें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से बेस्ट रिजल्ट मिलते हैं।

एलोवेरा जेल का नुस्खा

स्किन, हेयर और बॉडी की केयर में एलोवेरा बेस्ट है। इसलिए इसे सेल्फ केयर में ऑलराउंडर तक माना जाता है। इसमें कई विटामिन, मिनरल और एंजाइम होते हैं जो हमारे बालों को नेचुरली स्ट्रांग, चमकदार और हेल्दी बनाते हैं। इसकी मसाज करने से बालों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है जिससे हेयर फॉलिकल मजबूत बनते हैं। इसके एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण डैंड्रफ को कम या दूर करते हैं। हेयर स्मूदनिंग के लिए एलोवेरा जेल में नींबू या दही मिलाकर बालों में लगाएं और फर्क देखें।

केले का हेयर मास्क

केला भी बालों के लिए नेचुरल हेयर स्ट्रेटनर का काम करता है। ये हेयर को सॉफ्ट बनाने के अलावा शाइनी भी बनाता है। इसका मास्क बनाने के लिए बर्तन में केले को मैश कर लें और इसमें अंडा या एलोवेरा जेल मिलाकर लगाएं। करीब आधे घंटे तक इसे ऐसे ही लगा रहने दें और वॉश करें। आप चाहे तो केले को मैश करके सीधे भी लगा सकते हैं। केला पोषक तत्वों का भंडार है इसलिए ये हेयर केयर में बेस्ट है।

घर पर आसानी से उगाया जा सकता है एलोवेरा, जानिए तरीका

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो न केवल घर की सजावट के लिए अच्छा है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। इस पौधे की पत्तियों में मौजूद जेल त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप सोच रहे हैं कि एलोवेरा पौधे को कैसे उगाया जा सकता है तो आपको बता दें कि यह बहुत आसान है। आइए जानते हैं कि घर पर एलोवेरा पौधे को कैसे उगाया जा सकता है।

एलोवेरा पौधे को उगाने के लिए सबसे पहले आपको सही जगह का चयन करना होगा। यह पौधा सूरज की रोशनी पसंद करता है इसलिए इसे ऐसी जगह रखें जहां दिनभर धूप आती हो। अगर आपके पास बगीचा नहीं है तो आप बालकनी या छत पर भी इसे रख सकते हैं। ध्यान रखें कि एलोवेरा को ज्यादा देर तक सीधी धूप में न रखें, बल्कि सुबह की धूप और शाम की हल्की रोशनी ही पर्याप्त होती है।

एलोवेरा पौधे के लिए अच्छी मिट्टी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए हल्की और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का इस्तेमाल करें। आप गार्डन सेंटर से तैयार मिट्टी खरीद सकते हैं या खुद ही घर पर बना सकते हैं। इसके लिए रेत, गोबर की खाद और थोड़ी-सी सड़ी हुई पत्तियों को मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे पौधे को पोषण मिलेगा और वह तेजी से बढ़ेगा। ध्यान रखें कि मिट्टी न ज्यादा गीली हो, न ज्यादा सूखी होनी चाहिए।

पानी देने का तरीका समझें

एलोवेरा पौधे को पानी देने का तरीका भी अहम होता है। इसे ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती क्योंकि इससे इसकी जड़ें सड़ सकती हैं। हफ्ते में एक बार या जब मिट्टी सूखी लगे तब ही पौधे को पानी दें। बारिश के मौसम में प्राकृतिक नमी मिल जाती है इसलिए इस दौरान कम पानी देने की जरूरत होती है। ध्यान रखें कि पानी देने का तरीका ऐसा हो कि पौधे के ऊपर पानी न पड़े।

खाद का उपयोग करें

एलोवेरा पौधे को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर खाद का उपयोग करना जरूरी होता है। आप जैविक खाद जैसे गोबर की खाद या किसी अच्छे गुणवत्ता वाले रासायनिक खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाद देने का तरीका ऐसा होना चाहिए कि पौधे की जड़ों तक पहुंचे ताकि उसे सभी पोषक तत्व मिल सकें। इसके अलावा हर 6 महीने में एक बार ही खाद देना चाहिए ताकि पौधा ज्यादा न बढ़े और उसका आकार भी सही रहे।

नियमित देखभाल करें

एलोवेरा पौधे की नियमित देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। इसमें समय-समय पर पानी देना, खाद लगाना, धूप-छांव का ध्यान रखना आदि शामिल हैं। अगर आप इन सभी बातों का ध्यान रखेंगे तो आपका एलोवेरा पौधा जल्दी ही बड़ा हो जाएगा और आपको इसका कई प्रकार से उपयोग करने का मौका मिलेगा। इस तरह आप आसानी से अपने घर पर एलोवेरा पौधा उगा सकते हैं, जो आपके लिए कई फायदे लेकर आएगा।

नई जैसी रहेगी ऑक्सीडाइज ज्वेलरी, बस इस तरह से रखें ख्याल

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी आजकल एक फैशन ट्रेंड बन गई है। झुमके से लेकर नेकलेस और ब्रेसलेट भी आपको मार्केट में ऑक्सीडाइज मिल जाएंगे। लेकिन अक्सर महिलाओं की शिकायत रहती है कि ये कुछ दिनों बाद काली पड़ने लगती हैं। अगर आप भी इस परेशानी में हैं तो हम आपको लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं। इन्हें अपनाकर आप भी अपनी ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को लंबे समय तक नया जैसा रख सकेंगीं।

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी इस समय काफी ट्रेंड में है। ये ज्वेलरी हर किसी की जूलरी बॉक्स का हिसा बन रही है। ट्रेडिशनल हो या वेस्टर्न आउटफिट, यह ज्वेलरी हर लुक में चार चांद लगा देती है। लेकिन कई बार देखा जाता है कि थोड़े समय बाद ही ज्वेलरी काली पड़ने लगती है, उस पर धूल, पसीने या नमी का असर नजर आने लगता है और उसकी चमक फीकी पड़ जाती है। नतीजा यह होता है कि आपकी फेवरेट ऑक्सीडाइज नेकलेस, झुमके या ब्रेसलेट कुछ ही हफ्तों में पुराने और बेकार लगने लगते हैं।

ऐसे में जरूरी है कि इन खास गहनों की सही तरीके से देखभाल की जाए। अगर आप ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को सही तरीके से स्टोर और साफ करें तो वो सालों तक नई जैसी बनी रह सकती है। तो आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को लंबे समय दत नया जैसा बनाए रखने के लिए उसकी देखभाल कैसे करें?

पहले जान लें ऑक्सीडाइज ज्वेलरी की खासियत

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी अपनी यूनिक बनावट, एंटीक फिनिश और ट्रेडिशनल लुक के लिए खास मानी जाती है। ये चांदी जैसे मेटल पर ऑक्सीडेशन प्रोसेस के जरिए तैयार की जाती है, जिससे इसे काला या स्लेटी रंग मिलता है। यही खासियत इसे एक अलग चार्म देती है, जो आम सोने-चांदी की चमकदार ज्वेलरी से बिल्कुल अलग होती है। खास बात ये है कि ऑक्सीडाइज ज्वेलरी इंडो-वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के लुक के साथ खूब जंचती है। भारी-भरकम नेकलेस से लेकर छोटे-छोटे झुमकों तक, यह ज्वेलरी हर उम्र की महिलाओं को पसंद आती है और अक्सर कम कीमत में स्टाइलिश लुक देती है। यही वजह है कि आजकल फैशन जगत में इसका क्रेज तेजी से बढ़ा है।

1- नमी और केमिकल्स से रखें दूरी

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को नमी, पसीना, परफ्यूम, हेयर स्प्रे और पानी से बचाकर रखे। ये तत्व इसकी चमक को फीका कर देते हैं और इसे जल्दी काला बना सकते हैं। पहनने से पहले स्किन ड्राय कर लें और मेकअप के बाद ही ज्वेलरी पहनें।

2- इस तरह करें स्टोर

हमेशा ज्वेलरी को एयरटाइट जिप लॉक बैग या बॉक्स में रखें। एक-दूसरे से टकराकर रंग खराब न हो, इसके लिए हर पीस को मुलायम कपड़े में लपेटें। सिलिका जेल पैकेट भी रख सकते हैं ताकि नमी न लगे।

3- नियमित सफाई से बनी रहेगी चमक

हर बार पहनने के बाद ज्वेलरी को सूखे और मुलायम कपड़े से हल्के हाथों पोंछें। अगर जरूरत हो तो टूथपेस्ट या बेकिंग सोडा से हल्की सफाई करें और पूरी तरह सूखाकर स्टोर करें।

4- मौसम और जगह का रखें ध्यान

बारिश, बहुत गर्मी या उमस वाले मौसम में ऑक्सीडाइज ज्वेलरी पहनने से बचें। जिम, किचन या बाथरूम जैसी जगहों पर भी इसे पहनना सही नहीं, इससे धातु पर असर पड़ता है।

5- समय-समय पर करें जांच और रिपेयर

अगर ज्वेलरी में रंग बदलता नजर आए या काला पड़ने लगे, तो उसे तुरंत साफ करें। जरूरत हो तो किसी ज्वेलरी एक्सपर्ट से पॉलिश या रिपेयर भी करवाएं ताकि उसकी उम्र बढ़े। इन तरीकों को अपना कर आप अपनी ऑक्सीडाइज ज्वेलरी को नया जैस बनाए रख सकते हैं।

आंखों की सूजन को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये 5 मास्क

आंखों की सूजन एक आम समस्या है, जो नींद की कमी, तनाव और गलत खान-पान के कारण होती है। इससे आंखें थकी-थकी सी लगती हैं और चेहरा भी बेजान दिखता है। हालांकि, कुछ घरेलू आई मास्क का इस्तेमाल करके इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। ये मास्क न केवल सूजन को कम करते हैं, बल्कि त्वचा को भी ताजगी प्रदान करते हैं। आइए आज हम आपको पांच मास्क बनाने के बारे में बताते हैं।

आलू का मास्क

आलू में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए एक कच्चे आलू को पतले टुकड़ों में काट लें और फ्रिज में ठंडा होने दें, फिर ठंडे आलू के टुकड़ों को आंखों पर रखें और 15-20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है।

खीरे का मास्क

खीरा भी ठंडक देने वाला फल है, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए खीरे के पतले टुकड़े काटकर फ्रिज में ठंडा करें, फिर ठंडे खीरे के टुकड़ों को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

चाय की पत्तियों का मास्क

चाय की पत्तियों में मौजूद कैफीन आंखों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए इस्तेमाल किए हुए चाय की पत्तियों को फ्रिज में ठंडा करें, फिर ठंडी पत्तियों को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

एलोवेरा जेल का मास्क

एलोवेरा जेल में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एलोवेरा जेल को ठंडा करके आंखों पर लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

बादाम का तेल और गुलाब जल का मास्क

बादाम का तेल और गुलाब जल मिलाकर एक मास्क बनाया जा सकता है, जो आंखों की सूजन को कम करने में सहायक होता है। इसके लिए बादाम के तेल में थोड़ा-सा गुलाब जल मिलाएं और इस मिश्रण को आंखों के चारों ओर लगाएं। 10-15 मिनट तक छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। इन घरेलू उपायों का नियमित उपयोग करके आप अपनी आंखों की सूजन को प्रभावी ढंग से कम कर सकते हैं।

नोएल टाटा का कमाल, टाटा ग्रुप बना देश का सबसे वैल्यूएबल ब्रांड, दूसरे और तीसरे नंबर पर है कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप एक बार फिर भारत की ब्रांडिंग दुनिया में छा गया है। ब्रांड वैल्यूएशन कंसल्टेंसी *ब्रांड फाइनेंस* की ताज़ा India 100 रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, टाटा ग्रुप भारत का सबसे वैल्यूएबल ब्रांड बन गया है। इस साल इसकी ब्रांड वैल्यू में 10% की बढ़ोतरी हुई है और यह 30 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने वाला देश का पहला ब्रांड बन गया है।

भारत की कंपनियों के लिए सुनहरा मौका

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि देश की मजबूत आर्थिक स्थिति और अनुमानित 6-7% GDP ग्रोथ रेट के चलते भारतीय कंपनियों को ब्रांड वैल्यू बढ़ाने का जबरदस्त मौका मिल सकता है। घरेलू डिमांड में बढ़ोतरी, सार्वजनिक-निजी भागीदारी और पूंजीगत निवेश के सहारे कंपनियां वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इस साल की रिपोर्ट में खास बात यह है कि भारत के टॉप 10 ब्रांड्स की वैल्यू में दो अंकों की ग्रोथ दर्ज की गई है।

इंफोसिस- इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 15% बढ़कर 16.3 अरब डॉलर पहुंच गई है।

HDFC ग्रुप- तीसरे पायदान पर है, जिसने 37% की भारी बढ़त के साथ 14.2 अरब डॉलर की ब्रांड वैल्यू हासिल की।

LIC- चौथे स्थान पर है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 35% बढ़कर 13.6 अरब डॉलर हो गई है।

HCLTech- की ब्रांड वैल्यू 17% की छलांग के साथ 8.9 अरब डॉलर हो गई है।

Larsen & Toubro ग्रुप की वैल्यू 3% बढ़कर 7.4 अरब डॉलर पहुंच गई है।

महिंद्रा ग्रुप ने भी टॉप 10 में जगह बनाई है, जिसकी वैल्यू 7.2 अरब डॉलर है।

अडानी ग्रुप बना सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड

इस साल की रिपोर्ट में अडानी ग्रुप ने सबको चौंका दिया है। यह भारत का सबसे तेजी से ग्रो करने वाला ब्रांड बना है, जिसकी ब्रांड वैल्यू में 82% की बढ़त दर्ज की गई है।

ब्रांड वैल्यू का कुल आकार

2025 की India 100 रिपोर्ट के अनुसार, भारत की टॉप 100 ब्रांड्स की कुल ब्रांड वैल्यू 236.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जो देश की आर्थिक प्रगति और कॉर्पोरेट ताकत का साफ संकेत देती है। टाटा ग्रुप की ऐतिहासिक बढ़त ने भारत को वैश्विक ब्रांडिंग मैप पर और भी मजबूती से खड़ा कर दिया है। वहीं अडानी, इंफोसिस, HDFC और LIC जैसी कंपनियों ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर मुकाबले में पीछे नहीं हैं।

सिर्फ ₹1 करोड़ से जिंदगीभर की इनकम! जानिए एसडब्ल्यूपी का आसान फॉर्मूला

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान, जिसे आप एसआईपी का उल्टा भाई कह सकते हैं. जहां एसआईपी में आप हर महीने पैसे जमा करते हैं, वहीं एसडब्ल्यूपी में आप एकमुश्त रकम निवेश करके हर महीने एक निश्चित राशि निकाल सकते हैं.

क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आपके पास ₹1 करोड़ रुपये हों, तो आप बिना कोई नौकरी किए आराम से पूरी जिंदगी जी सकते हैं? सुनने में ये सपना जैसा लगता है लेकिन अगर आप समझदारी से निवेश करें, तो ये बिल्कुल मुमकिन है। अगर पैसा सही जगह लगाया जाए, तो न सिर्फ आपका भविष्य सुरक्षित होता है, बल्कि आपके बच्चों को भी इसका फायदा मिल सकता है। इसका सबसे आसान और असरदार तरीका है Systematic Withdrawal Plan (एसडब्ल्यूपी)। चलिए आपको समझाते हैं कि ₹1 करोड़ को सही तरीके से लगाकर कैसे आप हर महीने कमाई कर सकते हैं और ये SWP कैसे काम करता है।

SWP क्या है और कैसे काम करता है?

SWP यानी सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान, जिसे आप SIP का उल्टा भाई कह सकते हैं। जहां SIP में आप हर महीने पैसे जमा करते हैं, वहीं SWP में आप एकमुश्त रकम निवेश करके हर महीने एक निश्चित राशि निकाल सकते हैं। मान लीजिए, आपने 1 करोड़ रुपये किसी म्यूचुअल फंड में निवेश किए। अब इस रकम पर आपको हर साल रिटर्न मिलेगा। म्यूचुअल फंड्स में औसतन 12-15% का सालाना रिटर्न मिलता है, लेकिन

एसडब्ल्यूपी के लिए जानकार 8% से ज्यादा रिटर्न की उम्मीद न करने की सलाह देते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहता है और लंबे समय तक स्थिर रिटर्न के लिए सावधानी जरूरी है। SWP का सबसे बड़ा फायदा ये है कि आप हर महीने अपनी जरूरत के हिसाब से पैसे निकाल सकते हैं और बाकी रकम म्यूचुअल फंड में बढ़ती रहती है।

हर महीने कितना पैसा निकाल सकते हैं?

एसडब्ल्यूपी में आपको ये ध्यान रखना होगा कि आप हर महीने बहुत ज्यादा रकम नहीं निकाल सकते, वरना आपकी मूल रकम कम होने लगेगी। मान लीजिए, आपने 1 करोड़ रुपये किसी म्यूचुअल फंड में लगाए, जो 8% सालाना रिटर्न दे रहा हो। इस स्थिति में आप हर महीने 50,000 रुपये आसानी से निकाल सकते हैं और वो भी जिंदगीभर! हैरानी की बात ये है कि अगर आप 30 साल तक हर महीने 50,000 रुपये निकालते हैं, तब भी आपकी मूल रकम न सिर्फ बची रहेगी, बल्कि बढ़कर 3 करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगी।

एसडब्ल्यूपी कैलकुलेशन (₹1 करोड़ पर 8% रिटर्न)

निवेश राशि: ₹1,00,00,000
वार्षिक अनुमानित रिटर्न: 8%
मासिक अनुमानित रिटर्न: 0.67% (8% ÷ 12)
मासिक रिटर्न राशि: ₹66,667
मासिक निकासी (SWP): ₹50,000
शेष रिटर्न (फंड में पुनर्निवेश): ₹16,667
कुल निकासी 30 साल में: ₹1.8 करोड़ (₹50,000 × 12 × 30)
30 साल बाद अनुमानित फंड वैल्यू: ₹3.1 करोड़+

चक्रवृद्धि ब्याज का जादू

एसडब्ल्यूपी की सबसे बड़ी ताकत है चक्रवृद्धि ब्याज। ये ऐसा जादू है, जो आपकी रकम को लंबे समय में कई गुना बढ़ा देता है। म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करने से आपकी पूंजी न सिर्फ सुरक्षित रहती है, बल्कि उसमें जबरदस्त इजाफा भी होता है हालांकि, म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सबसे पहले, किसी अच्छे फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लें। वो आपको बता सकता है कि कौन सा म्यूचुअल फंड आपके लिए सही है। दूसरा, बाजार में उतार-चढ़ाव का जोखिम होता है, इसलिए हमेशा 8% से ज्यादा रिटर्न की उम्मीद न करें। तीसरा, अपनी जरूरतों के हिसाब से ही हर महीने निकासी की रकम तय करें, ताकि आपकी मूल पूंजी बरकरार रहे।

भारत की चीन पर बड़ी कार्रवाई, छह प्रॉडक्ट पर लगाया एंटी डंपिंग चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। सस्ते आयात से स्थानीय निर्माताओं को बचाने के लिए भारत ने इस महीने छह चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया है। प्रभावित वस्तुओं में पीईडीए (शाकनाशियों में इस्तेमाल), एसीटोनिट्राइल (फार्मास्युटिकल उद्योग के लिए महत्वपूर्ण), विटामिन-ए पामिटेट, अघुलनशील सल्फर, डेकोर पेपर और पोटेशियम टर्शियरी ब्यूटॉक्साइड शामिल हैं। ये सभी अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर घोषणा की है कि ये शुल्क पांच वर्ष की अवधि के लिए लागू होंगे। यह कार्रवाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों के बाद की गई है, जो वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा है जो अनुचित व्यापार प्रथाओं की निगरानी करती है।

पीईडीए पर शुल्क 1,305.6 से 2,017.9 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक होगा, जबकि चीन, रूस और ताइवान से आयातित एसीटोनाइट्राइल पर 481 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक का शुल्क लगाया गया है।

इसी तरह सरकार ने चीन यूरोपीय संघ और स्विट्जरलैंड से आयातित विटामिन-ए पामिटेट पर 20.87 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम तक का शुल्क लगाया है। और टायर उद्योग में इस्तेमाल होने वाले और चीन और जापान से आयातित अघुलनशील सल्फर के आयात पर 358 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक का शुल्क लगाया है।

चीन और अमेरिका से आयातित पोटेशियम टर्शियरी ब्यूटॉक्साइड पर 1,710 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है। इन रसायनों का उपयोग सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई), अन्य फार्मा प्रक्रियाओं, कृषि रसायनों, विशेष रसायनों और पॉलिमर में उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है। डेकोर पेपर पर 542 अमेरिकी डॉलर प्रति टन तक का शुल्क लगाया गया है। सस्ते आयात में बढ़ोतरी के कारण घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह निर्धारित करने के लिए देशों द्वारा एंटी-डंपिंग जांच की जाती है।

प्रतिकार के तौर पर, वे जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन की बहुपक्षीय व्यवस्था के तहत ये शुल्क लगाते हैं। भारत और चीन दोनों ही बहुपक्षीय संगठनों के सदस्य हैं, जो वैश्विक व्यापार मानदंडों से निपटते हैं। शुल्क का उद्देश्य निष्पक्ष व्यापार को सुनिश्चित करना और विदेशी उत्पादकों और निर्यातकों के मुकाबले घरेलू उत्पादकों के लिए समान अवसर बनाना है।

भारत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और चीन से आयात में कटौती करने के लिए कदम उठा रहा है क्योंकि 2024-25 के दौरान चीन के साथ देश का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

पिछले वित्त वर्ष में, चीन को भारत का निर्यात 14.5 फीसदी घटकर 14.25 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 बिलियन अमरीकी डॉलर था। हालांकि, आयात 2024-25 में 11.52 फीसदी बढ़कर 113.45 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

वो ट्रेन जिसके चक्कर में भारत के सामने फंस गए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री, एससीओ में मंसूबे हो गए फेल

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च होने के बाद पहली बार शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शामिल होने चीन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चीन की धरती से आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दुनिया के सामने रख दिया। जिस समय उन्होंने आतंकवाद पर पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई उस समय पाकिस्तानी के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी मौजूद थे। दोनों देशों के रक्षा मंत्री एक ही मंच पर आमने-सामने बैठे हुए थे।

भारत ने आतंकवाद पर न केवल सख्त मैसेज दिया है बल्कि पाकिस्तान और चीन की ओर से संयुक्त घोषणा पत्र में आतंकवाद के मुद्दे को कमजोर करने की कोशिशों को भी नाकाम कर दिया। इस बैठक में संयुक्त घोषणा पत्र का मसौदा तैयार किया गया था, लेकिन इसमें पहलगाम हमले का जिक्र नहीं था बल्कि इसके उल्टे पाकिस्तान की मांग पर बलूचिस्तान का उल्लेख शामिल किया गया था। इस मसौदे पर राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। आइए आपको बताते हैं कि ये कौन सा मसला है जिसको पाकिस्तान घसीटकर लाया और वो कौन सी ट्रेन है जिसके चलते पाकिस्तान के रक्षा मंत्री भारत के सामने फंस गए, साथ ही उसके सभी मंसूबों पर पानी फिर गया...

एससीओ राजनाथ सिंह ने क्या खरी-खरी सुनाईं?

पहले जानते हैं कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ मीटिंग क्या कहा है? उन्होंने कहा, '2 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में आतंकी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट ने मासूम पर्यटकों पर एक आतंकी हमला किया। ये हमला भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य में किया गया था। एक नेपाली पर्यटक को मिलाकर कुल 26 पर्यटकों को मार दिया गया था। पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर निशाना बनाया गया। रेजिस्टेंस फ्रंट लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी आतंकी संगठन है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।'

उन्होंने कहा, 'पहलगाम आतंकी हमले का तरीका भारत में पहले होते रहे आतंकी हमलों की तरह ही था। भारत ने आतंकी हमलों के खिलाफ अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सफलतापूर्वक बॉर्डर के उस पार मौजूद आतंकी इंफ्रास्ट्रक्टर को खत्म कर दिया।' उन्होंने आगे कहा कि शांति और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद पर दोहरे रवैए को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कुछ देश आतंकवाद को अपनी नीति का हिस्सा बना चुके हैं। कट्टरपंथ और आतंकवाद आज की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। SCO को आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाना चाहिए। जिस समय राजनाथ सिंह ने ये बयान दिया उस समय पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ सिर झुकाए सुनते रहे।

एससीओ में क्या दुखड़ा रोए ख्वाजा आसिफ?

वहीं, एससीओ बैठक में ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारी सभी देशों से अपील करते हैं कि उन देशों जवाबदेही तय होनी चाहिए जिन्होंने बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस के रूप में आतंकवादी हमले की योजना बनाई, उसे फाइनेंस किया और स्पोंसर्ड किया। हालांकि ख्वाजा आसिफ ने किसी भी देश का नाम नहीं लिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री जाफर एक्सप्रेस घटना को बेवजह खींच लाए, जिसके चलते संयुक्त बयान पर आम सहमति बन सकी और उन्हें मुंह की खानी पड़ी है।

कहां से कहां चलती है जाफर एक्सप्रेस ट्रेन

जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पाकिस्तान में चलने वाली एक ट्रेन है, जोकि दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत की प्रांतीय राजधानी क्वेटा से रावलपिंडी होते हुए उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर तक जाती है। यह ट्रेन क्वेटा रेलवे स्टेशन से सुबह 9 बजे से चलती है और अगले दिन शाम 7 बजे पेशावर रेलवे स्टेशन पर पहुंचती है। इसके रूट पर 40 स्टेशन आते हैं।

क्या था जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक?

इस साल 11 मार्च 2025 को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने हाईजैक कर लिया था। इस ट्रेन में कम से कम 380 यात्री सवार थे। ट्रेन को तब निशाना बनाया गया जब वह क्वेटा से करीब 160 किलोमीटर (100 मील) दूर सिबी शहर के पास सुरंगों से गुजर रही थी। BLA के लड़ाकों ने ट्रेन पर गोलीबारी की थी और रेल की पटरियों को विस्फोट कर उड़ा दिया था, जिसके चलते ट्रेन एक पहाड़ी क्षेत्र में रुक गई। इस क्षेत्र में सुरक्षाबलों का पहुंचना मुश्किल था। पाकिस्तानी तुरंत कार्रवाई करते हुए BLA के साथ मुठभेड़ की और उन्होंने दावा किया था सैन्य अभियान खत्म होने तक 346 यात्रियों को बचा लिया गया।

ईरान का हाल देख डरा तुर्किए, अब इजराइल जैसा सेट करेगा डिफेंस सिस्टम

इस्तांबुल। ईरान पर इजराइल की मिसाइलों की बौछार ने दुनियाभर के मुस्लिम देशों को अलर्ट कर दिया है। तुर्किए ने वक्त रहते यह समझ लिया है कि अब सिर्फ बयानबाजी से कुछ नहीं होगा, टेक्नोलॉजी में इन्वेस्ट करना जरूरी है। इसी कड़ी में अब तुर्किए देशभर में इजराइल की तर्ज पर एक मजबूत एयर डिफेंस शील्ड तैयार करने जा रहा है।

इसका नाम है—स्टील डोम। तुर्किए के रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में तुर्किए जमीन, हवा और समुद्र, तीनों स्तरों पर खुद को इस स्टील डोम से सुरक्षित करेगा।

ये डिफेंस सिस्टम इजराइल के आयरन डोम की तर्ज पर काम करेगा, जिसमें अलग-अलग लेयर में मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षा की व्यवस्था होगी। यानी कोई भी दुश्मन मिसाइल या एयर स्ट्राइक अब तुर्किए के आसमान में पहुंचने से पहले ही तबाह कर दी जाएगी। डिफेंस मंत्रालय ने बताया कि ये सिस्टम पूरे देश में लागू किया जाएगा, न कि सिर्फ सीमावर्ती इलाकों में।

मिसाइल से लेकर ड्रोन तक सब पर नजर

तुर्किए अब अपने डिफेंस सिस्टम को हर दिशा में अपग्रेड करने में जुट गया है। इसमें हाइपरसोनिक, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल शामिल होंगी। इसके अलावा आधुनिक युद्धपोत, टैंक, एयरक्राफ्ट, बिना पायलट वाले ड्रोन और अगली पीढ़ी के एयरक्राफ्ट कैरियर भी प्लान में शामिल हैं। यानी तुर्किए अब जंग के हर मैदान जल, थल में खुद को तैयार कर रहा है।

NATO में भी मजबूत स्थिति

तुर्किए के पास नाटो की दूसरी सबसे बड़ी आर्मी है। रक्षा मंत्रालय का दावा है कि तुर्किए ने नाटो के 2% डिफेंस बजट के टारगेट को पार कर लिया है और वो अब नाटो मिशनों में टॉप-5 कंट्रीज़ में गिना जाता है। इससे साफ है कि तुर्किए सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी ताकत दिखाना चाहता है।

इजराइल के आयरन डोम के बारे में जानिए

आयरन डोम एक छोटा लेकिन तेज रिएक्शन देता है। ये सिस्टम किसी भी शॉर्ट रेंज रॉकेट या मोर्टार को निशाना बनाता है। 4 से 70 किलोमीटर तक के रॉकेट को हवा में ही ध्वस्त कर देता है। इसके इंटरसेप्टर मिसाइल दुश्मन की मिसाइल को पहचान कर उसे रास्ते में ही खत्म कर देती हैं। इसका सक्सेस रेट 90% से भी ज्यादा माना जाता है। यही वजह है कि जब गाजा से सैकड़ों रॉकेट इजराइल पर आते हैं, तब भी ज्यादा नुकसान नहीं होता।

तकनीक से भी ज्यादा शातिर निकला खामेनेई का दिमाग, चाहकर भी इस वजह से मार नहीं पाया इजराइल

तेहरान। ईरान से जंग में इजराइल ने सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के प्रयास किए थे, लेकिन खामेनेई के शातिर दिमाग की वजह से इजराइल अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाया। यह खुलासा खुद इजराइल के रक्षा मंत्री कैट्ज ने किया है। कैट्ज के मुताबिक खामेनेई को मारने के लिए हमने हर मोर्चा खोल दिया था, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

इजराइल के चैनल-12 को दिए इंटरव्यू ने कैट्ज ने कहा कि पहले दिन से हमारी कोशिश खामेनेई को मारकर ईरान को बड़ा झटका देने की थी, लेकिन खामेनेई शातिर निकले और अंडरग्राउंड हो गए।

नए अफसरों से कनेक्शन काट लिया

कैट्ज के मुताबिक अमेरिका ने यह बयान जरूर दिया कि हम

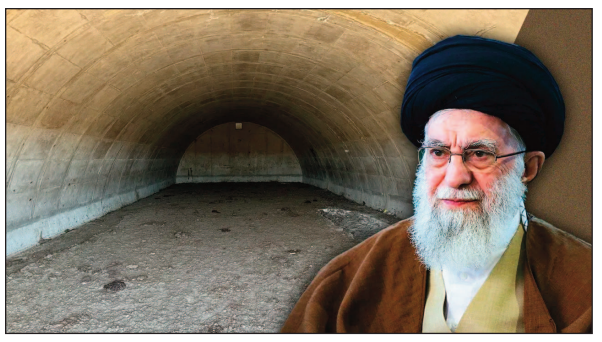

खामेनेई को नहीं मारना चाहते हैं, लेकिन हमें उन्हें मारने के लिए किसी भी देश की परमिशन की जरूरत नहीं थी। हमने जब ईरान के सैन्य कमांडरों को मारा, तब से खेल खराब हो गया।

खामेनेई ने मरने वाले सैन्य अधिकारियों के बदले जिन अफसरों की नियुक्ति की। हमें उसके जरिए खामेनेई के लोकेशन के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद थी, लेकिन पूरे जंग में खामेनेई ने नए अफसरों से संपर्क ही नहीं किया। यही वजह है कि हमारे लोग खामेनेई के लोकेशन को नहीं ढूंढ पाया, जिसकी वजह से बच गए।

बंकर में वली-ए-अम्र के निगरानी में खामेनेई

13 जून को ईरान में इजराइली हमले के शुरू होते ही खामेनेई तेहरान के पास एक बंकर में चले गए। ईरान इंटरनेशनल के मुताबिक खामेनेई ने खुद की सुरक्षा स्पेशल फोर्स वली-ए-अम्र के हवाले कर दिया। वली-ए-अम्र को ईरान का सबसे मजबूत सुरक्षा बल माना जाता है।

इस संगठन में करीब 12 हजार जवान हैं, जो सुप्रीम लीडर की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। कहा जाता है कि बंकर में छिपने के बाद खामेनेई ने अपने लोगों से सिर्फ शारीरिक तौर पर ही मुलाकात की। यानी उनके सुरक्षाकर्मियों ने फोन को दूर कर लिया। एक्सियोस ने अमेरिकी बंकर बस्टर बम गिरने के बाद एक रिपोर्ट की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति बम गिराने से पहले खामेनेई से समझौते पर हामी चाहते थे, लेकिन ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने यह कहकर प्रस्ताव को ठुकरा दिया कि उनका संपर्क सुप्रीम लीडर से नहीं है।

महाराष्ट्र में भाषा पर सियासी रार, पवार बोले- 55% आबादी हिंदी बोलती है, लेकिन जबरदस्ती थोपना गलत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। राज्य सरकार द्वारा कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में सामान्य तौर पर पढ़ाने के आदेश के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने साफ कहा है कि महाराष्ट्र के लोग हिंदी विरोधी नहीं हैं, लेकिन इतनी छोटी उम्र के बच्चों पर हिंदी थोपना सही नहीं है।

कोल्हापुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पवार ने कहा कि देश की 55 फीसदी आबादी हिंदी बोलती है, इसलिए इस भाषा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन कक्षा 1 से 4 तक के बच्चों के लिए मातृभाषा ही सबसे जरूरी है। पवार ने कहा कि पांचवीं के बाद हिंदी बच्चों के भविष्य के लिए जरूरी हो सकती है, लेकिन शुरुआती शिक्षा मातृभाषा में ही होनी चाहिए।

क्या है सरकार का नया आदेश?

राज्य सरकार के नए आदेश के मुताबिक, मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। हालांकि, अगर किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 छात्र किसी अन्य भारतीय भाषा को पढ़ना चाहें तो उन्हें हिंदी से छूट दी जा सकती है। इसके लिए स्कूल में शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी या फिर ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था होगी।

ठाकरे भाइयों का अल्टीमेटम

उधर, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने इस आदेश के खिलाफ खुलकर विरोध जताया है। दोनों नेताओं ने इसे 'भाषाई आपातकाल' थोपने की कोशिश बताते हुए 5 और 7 जुलाई को बड़े विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका कहना है कि सरकार मराठी अस्मिता को दबाने की कोशिश कर रही है।

शरद का पवार का संतुलित रुख

शरद पवार ने ठाकरे बंधुओं के आंदोलन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर वे सभी दलों को इस विरोध में शामिल करना चाहते हैं तो पहले उन्हें अपना स्टैंड और इस मुद्दे पर पूरी योजना सबके सामने रखनी चाहिए। पवार ने साफ किया कि महाराष्ट्र में कोई हिंदी विरोध नहीं है, लेकिन भाषा थोपने की कोई भी कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी।

'एक देश नहीं चाहता था आतंकवाद का जिक्र'

बिना नाम लिए जयशंकर ने खोली पाकिस्तान की पोल, राजनाथ को सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इनकार करने के फैसले को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सही ठहराया। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की पोल भी खोली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि रक्षा मंत्री ने बिल्कुल सही कदम उठाया। क्योंकि 10 सदस्यीय समूह में केवल एक देश ऐसा था तो आतंकवाद का जिक्र नहीं करना चाहता था। जबकि एससीओ का मुख्य उद्देश्य ही आतंकवाद से लड़ना है।

विदेश मंत्री ने कहा कि मैं आपको कुछ संदर्भ देता हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। शंघाई सहयोग संगठन का उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना था। यह संगठन आतंकवाद से लड़ने के लिए है। जब राजनाथ सिंह रक्षा मंत्रियों की बैठक में गए और दस्तावेज पर चर्चा हुई तो एक देश ने कहा कि नहीं नहीं, हम इस पर बात नहीं करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह का दृष्टिकोण सही था। जिस संगठन का उद्देश्य ही आतंकवाद से लड़ना है, उस पर बात नहीं की गई तो रक्षा मंत्री ने साझा बयान को स्वीकार करने की अनिच्छा व्यक्त की। एससीओ सर्वसम्मति से चलता है। एक देश बयान में आतंकवाद का संदर्भ देने के लिए सहमत नहीं था। इसलिए राजनाथ सिंह जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं है, तो हम इस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने अच्छा काम किया

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सराहना करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है क्योंकि देश के हित को सबसे पहले रखा जाता है। मैंने दुनिया भर में घूमने वाले और राष्ट्रीय हित में बोलने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के बीच एकता देखी। भारत ने दुनिया को यह संदेश दिया कि आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है और अगर यह जारी रहता है, तो देश को अपनी रक्षा करने का अधिकार है।

विदेश मंत्री ने कहा कि जब मैं शशि थरूर, सुप्रिया सुले, कनिमोझी, संजय झा, जय पांडा, रविशंकर प्रसाद और श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को देखता हूं तो मुझे बहुत गर्व होता है, लेकिन जब मैं दुनिया भर में सभी दलों के बीच एकता देखता हूं, जो राष्ट्रहित में बोलते हैं, यह संदेश देते हैं कि आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है और अगर यह जारी रहता है, तो हमें अपनी रक्षा करने का अधिकार है। वे जिस भी देश में गए उन्हें बताया गया कि सबसे प्रभावशाली बात यह थी कि सभी दल देश का प्रतिनिधित्व करने में एकजुट थे। यह हमारे लिए एक महान क्षण था।

नरसिम्हा से कल्कि पार्ट 2 तक, होम्बले फिल्म्स ने की महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स की शुरुआत, 12 सालों में बनेंगी 7 एनिमेटेड फिल्में

होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा में सफल फिल्म निर्माताओं में से एक है। होम्बले फिल्म्स ने क्लेम प्रोडक्शंस के साथ मिलकर महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स के लिए आधिकारिक रोडमैप का अनावरण किया है। प्रोडक्शन हाउस 12 सालों मे 7 एनिमेटेड फिल्में लेकर आएगी, जो भगवान विष्णु के 10 दिव्स अवतार को दर्शाएगी। मेकर्स ने अपने सातों फिल्मों के टाइटल के साथ रिलीज का भी खुलासा किया है।

होम्बले फिल्म्स ने महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स का एलान किया है। होम्बले क्लेम प्रोडक्शंस के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम करेगी। वह क्लेम प्रोडक्शन द्वारा लुभावने एनीमेशन के माध्यम से अपनी फिल्मों को बड़े पर्दे पर उतारेगी। दशक भर चलने वाली यह एनिमेटेड प्रोजेक्ट भगवान विष्णु के दस दिव्य अवतारों का वर्णन करेगी। इसकी शुरुआत महावतार नरसिंह से शुरू होगी और 2037 में महावतार कल्कि पार्ट 2 के साथ इसका समापन होगा।

होम्बले फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्रोमो के जरिए 12 सालों में बनने वाली 7 एनिमेटेड फिल्मों के बारे में जानकारी दी है। मेकर्स ने फिल्मों के नाम रिलीज कैलेंडर के साथ साझा किया है। मेकर्स ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, संभावनाएं अनंत हैं, और हम अपनी कहानियों को स्क्रीन पर जीवंत होते देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। एक एपिक सिनेमैटिक राइड के लिए तैयार हो जाइए। होम्बले फिल्म्स गर्व से महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स को प्रस्तुत करता है, जो कि क्लेम प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित लुभावने एनीमेशन के माध्यम से है। हम एक दशक से अधिक समय तक चलने वाली अपनी लाइनअप का अनावरण करते हुए काफी खुश हैं, जिसमें भगवान विष्णु के दस दिव्य अवतार शामिल हैं।

मेकर ने अपने पोस्ट में अपनी पहली फिल्म महावतार नरसिम्हा के बारे में जानकारी देते हुए आगे लिखा है, महावतार नरसिम्हा 25 जुलाई, 2025 को 3डी और पांच भारतीय भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक ऐसे सिनेमाई चमत्कार के लिए तैयार हो जाइए जो आपको बेदम कर देगा।

महावतार नरसिम्हा का निर्देशन अश्विन कुमार ने किया है और इसका निर्माण शिल्पा धवन, कुशाल देसाई और चैतन्य देसाई ने क्लेम प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। इसे होम्बले फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म 25 जुलाई, 2025 को 3डी और पांच भारतीय भाषाओं हिंदी। कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज होगी।

वो बच्चों को बिगाड़ते हैं कैसे पिता हैं सैफ अली खान? करीना कपूर का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अपने काम के साथ-साथ अपने बच्चों को भी पूरा समय देती हैं। उन्होंने अपनी वर्क लाइफ और पर्सनल लाइफ को अच्छे से मैनेज किया हुआ है। करियर और पैरेंटिंग के बीच बैलेंस बनाने की चुनौतियों के बारे में करीना ने बताया कि कैसे उनके पति सैफ अली खान, अपने बेटों तैमूर और जेह के लिए मज़ेदार पिता हैं। वहीं उन्होंने खुद को एक सख्त मां के तौर पर जाहिर किया। उन्होंने खुलासा किया कि बेटे सैफ के साथ समय बिताना पसंद करते हैं, क्योंकि वह उन्हें ज्यादा स्क्रीन समय और म्यूजिक सुनने को देते हैं।

हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत के दौरान करीना ने बताया कि शूटिंग के दौरान उनकी गैरमौजूदगी से उनके बच्चे अक्सर परेशान रहते हैं। यह मुश्किल हो जाता है। इस साल सैफ बाहर गए और दो फिल्मों की शूटिंग की, इसलिए उन्हें मम्मा के घर पर रहने की आदत हो गई थी। अब अगर मैं शूटिंग पर जाती हूं, महीने में सिर्फ़ 10-15 दिन के लिए भी तो वे हमेशा चिढ़ जाते हैं। वे हमेशा यही सोचते रहते हैं, 'अम्मा कहां हैं?

वो हमेशा उन्हें बिगाड़ते हैं- करीना

अपने घर की पेरेंटिंग पर विचार करते हुए, करीना ने स्वीकार किया कि वह सख्त भूमिका निभाती हैं, सैफ बच्चों को ज्यादा टीवी समय देकर बिगाड़ते हैं। उन्होंने कहा, जब सैफ उनके साथ होते हैं तो उन्हें बहुत अच्छा लगता है क्योंकि सैफ बहुत प्यारे पिता हैं। वह बहुत ही एक्टिव पिता हैं। मेरे बड़े बेटे को उनके साथ गिटार और ड्रम बजाना बहुत पसंद है। जब मैं आसपास नहीं होती, तो उन्हें हमेशा ज्यादा स्क्रीन समय मिलता है। पिता हमेशा उन्हें बिगाड़ते हैं, हालांकि मैं हमेशा कहती हूं, 'सो जाओ।"

फिल्म के सेट पर आए थे करीब

करीना कपूर और सैफ अली खान, जिन्हें फैन्स प्यार से 'सैफीना' कहते हैं, पहली बार 2008 में टशन के सेट पर मिले थे। उनकी नदजीकियां जल्द ही प्यार में बदल गई और आखिरकार 2012 में उन्होंने शादी कर ली। चार साल बाद, उन्होंने 2016 में अपने पहले बच्चे तैमूर अली खान का स्वागत किया। साल 2021 में उनका एक और बेटा जहांगीर अली खान (जेह) हुआ।

सिल्वर गाउन में राशा ठडानी ने ढाया कहर, फैंस बोले –कितनी प्यारी लग रही हो

रवीना टंडन की बेटी राशा ठडानी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमरस अवतार से तहलका मचा दिया है। राशा ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया जिसमें वह शाइनी सिल्वर बॉडीकॉन गाउन में नजर आ रही हैं। इस एलिगेंट और बोल्ड लुक को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है, जहां उन्होंने कैप्शन में लिखा - रजत मंत्र। राशा की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस दीवाने हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, कितनी प्यारी, तो दूसरे ने कहा, राशू क्या आपको नहीं लगता कि 11वीं तस्वीर आपकी प्रोफाइल तस्वीर होनी चाहिए? वहीं किसी ने तो यहां तक कह दिया कि किन्ना सोना तेनु रब ने बनाया!! जी करे देखत रहु।

राशा का ये ग्लैमरस लुक न सिर्फ उनकी फिटनेस को हाईलाइट करता है बल्कि उनका कॉन्फिडेंस भी झलकाता है। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और परफेक्ट पोज़ – हर एंगल से वह कमाल लग रही हैं। कुछ ही मिनटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, और यह तेजी से वायरल हो रहा है। राशा ठडानी अब बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रही हैं और इंडस्ट्री में उनकी मौजूदगी पहले से ही चर्चा में बनी हुई है। उनके स्टाइल सेंस, सोशल मीडिया अपील और ग्रेस को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि वह आने वाले समय की एक बड़ी स्टार बन सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com